

हिन्दी दैनिक दीसरा विश्व न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)



नगौँव में मंत्री पियूष हज़ारिका का विभागीय समीक्षा...02



सोना 1,095 बढ़कर 1.53 लाख पर पहुंचा



फिच ने भारत की जीडीपी-ग्रोथ का अनुमान घटाकर 6.4 प्रतिशत किया



बजाज फिनसर्व के बोर्ड से इस्तीफा देंगे राजीव बजाज

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में तलाशी अभियान चलाकर सुरक्षाबलों ने एक वाहन से विदेशी पिस्तौल बरामद की और अवैध हथियार तस्करी को नाकाम कर दिया। यह जानकारी पुलिस ने मंगलवार को दी। जांच के दौरान पुलिस ने एक और पिस्तौल, मैगजीन और कारतूस बरामद किये। पुलिस ने बताया कि सात जून को बारामूला पुलिस और सेना की 52वीं राष्ट्रीय राइफल्स की संयुक्त टीम ने चंदबुमा, कनिस्थोरा में एक मोबाइल वाहन जांच केंद्र स्थापित किया और श्रीनगर से बारामूला जा रहे एक वाहन को रोककर उसकी जांच की। वाहन की तलाशी के दौरान, पुलिस ने सहयात्री के बैग से तुर्की निर्मित एक पिस्तौल बरामद की। आरोपी की पहचान उरी के कमालकोट निवासी वकील अहमद थीकरी के रूप में हुई है।

कांगो में तेजी से बढ़ रहा इबोला का प्रकोप

जिनेवा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि इबोला बीमारी का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है और इसके कारण कांगो में अब तक 515 पुष्ट मामले सामने आ चुके हैं और 91 लोगों की मौत हो चुकी है। युगांडा में 19 पुष्ट मामलों के साथ दो लोगों की मौत हो गई है। डब्ल्यूएचओ ने सोमवार को बताया कि कांगो में संक्रमण की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है, क्योंकि यहां अब तक मिले मामलों में मृत्यु दर 17.7 प्रतिशत दर्ज की गई है। वास्तविक मौतें हालांकि इससे कहीं ज्यादा हो सकती हैं, क्योंकि महामारी घोषित होने से पहले हुई कई मौतों की जांच अभी चल रही है। कांगो के 25 'हेल्थ जेन' इस बीमारी की चपेट में हैं, जिनमें से अकेले 'इतूरी' प्रांत में सबसे ज्यादा 94 प्रतिशत मामले दर्ज किये गये हैं।

टी20 विश्व कप के बहिष्कार पर रार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के टी20 कप्तान लिटन दास ने टी20 विश्व कप का बहिष्कार करने पर प्रतिक्रिया दी है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भारत में सुरक्षा का हवाला देते हुए फरवरी-मार्च में हुए टी20 विश्व कप का बहिष्कार किया था जिसके बाद आईसीसी ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। अब लिटन दास का विश्व कप में नहीं खेल पाने पर दर्द छलका है और उनका ताजा बयान बांग्लादेश के पिछले बयान से पूरी तरह विपरीत है। तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से निकाले जाने के बाद बीसीबी ने बांग्लादेश में आईपीएल के प्रसारण पर रोक लगा दी थी।

योगी बोले, राम से द्रोह करने वालों को धरती पर जगह नहीं, भारत एक देश है धर्मशाला न समझें

राम नाम में हर समस्या का समाधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों ने श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन को जन्म-मरण का प्रश्न बनाया था। संत इसका श्रेय नहीं चाहते थे, वे सिर्फ इसलिए अभियान से जुड़े क्योंकि भारतीय परंपरा, विरासत में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम सभी के आदर्श हैं और राम नाम में जीवन की हर समस्या का समाधान है। राजनीति व पूर्वाग्रह से ग्रसित कुछ चुनिंदा नामों को छोड़ दें तो हर भारतवासी, जिसके अंदर भारत का डीएनए है, उसने भगवान राम के आदर्शों को जीवन का हिस्सा बनाया है। मर्यादा पुरुषोत्तम का नाम उतर से दक्षिण व पूरब से पश्चिम तक हर भारतीय को जोड़ने का सामर्थ्य रखता है।

लखनऊ, संवाददाता। योगी आदित्यनाथ ने ये-टूक कहा कि जिनके



मन में भारत के प्रति आस्था, निष्ठा नहीं है और जो संस्कारों का सम्मान नहीं कर सकते, ऐसे लोगों के लिए भारत की धरती धर्मशाला नहीं हो सकती। प्रभु श्रीराम से द्रोह करने वालों को धरती पर जगह नहीं मिली। लव व लैट जिहाद के प्रति आगाह करते हुए सीएम ने कहा कि इसके विरुद्ध समाज को एकजुटता के साथ खड़ा होना होगा। तोड़ने वाली ताकतें जाति, भाषा, क्षेत्र के नाम पर विभाजित करने की चेष्टा करेंगी, लेकिन भारत की संत शक्ति समाज को एकजुट कर देश को आगे ले जाना चाहती हैं। व्यासपीठ द्वारा जिस मर्म

को समझाने का प्रयास किया गया, हमें उसे आत्मसात करना होगा। कथा केवल सुनने की नहीं, बल्कि अंगीकार करने की महत्वपूर्ण कड़ी का हिस्सा है। मुख्यमंत्री मंगलवार को राजधानी में 9 दिवसीय रामकथा महोत्सव के समापन समारोह में रामभक्तों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रामकथा का श्रवण भी किया। कथा का वाचन तुलसीपीठधीश्वर जगदुरु स्वामी रामभद्राचार्य द्वारा किया गया। सीएम सेगो ने श्रद्धालुओं से कहा कि जो भी प्रभु के सावित्र्य में आया, वह दैवीय आपदा से मुक्त रहता है। उन्होंने कामना की कि हर

नीट पुनर्परीक्षा की तैयारियों का जायजा लेने एनटीए पहुंचे धर्मेन्द्र प्रधान, राज्यों से मांगा अतिरिक्त सहयोग



नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने मंगलवार को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी मुख्यालय का दौरा कर नीट 2026 की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने एनटीए अधिकारियों के साथ बैठक की और परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था, गोपनीयता तथा साइबर सुरक्षा उपायों का जायजा लिया। बैठक के बाद धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि नीट परीक्षा 21 जून को आयोजित होनी है और सरकार परीक्षा प्रक्रिया को पूरी तरह सुरक्षित और

पारदर्शी बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा केंद्रों तक सामग्री पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया में गोपनीयता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके लिए संबंधित सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया गया है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस संबंध में कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के सचिवों की बैठक भी आयोजित की गई है। उन्होंने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर

परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने का अनुरोध किया है। प्रधान ने कहा कि राज्य सरकारों ने पहले भी सहयोग किया है, लेकिन इस बार और अधिक सतर्कता बरतने को कहा गया है ताकि परीक्षा निष्पक्ष और सुचारु रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने कहा, मैंने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है। उनका पहले भी सहयोग रहा है, इस बार थोड़ा अधिक ध्यान दिया जाए। इस बीच में अनेक राज्य के मुख्यमंत्रियों ने अपने राज्य के नीजी और चीफ सेक्रेटरी की उपस्थिति में डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर, एसपी की मीटिंग शुरू की हैं। इसमें एनटीए के डीजी स्वयं जुड़ते हैं। अनेकों राज्यों की मीटिंग होगी, आज बिहार की मीटिंग थी। पिछले दिनों में महाराष्ट्र की मीटिंग थी। राज्यों की प्रस्तुति हो रही है। प्रधान ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री और रक्षा मंत्री से मुलाकात की है तथा शाम को स्वास्थ्य मंत्री से भी बैठक करेंगे।

आदि कैलाश-ओम पर्वत यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब



पिथौरागढ़, (एजेंसी)। उत्तराखंड की ऐतिहासिक आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा ने इस वर्ष नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। यात्रा शुरू होने के महज 39 दिनों के भीतर ही पिछले वर्ष के पूरे रिकॉर्ड टूट गए हैं। जिलाधिकारी अशोष भट्टगई के अनुसार प्रदेश में इन दिनों चारधाम यात्रा के साथ ही आदि कैलाश और ओम् पर्वत यात्रा संचालित की जा रही है। चारधाम यात्रा की तरह कुमाऊं की आदि कैलाश और ओम् पर्वत यात्रा पर रिकार्ड श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में पूरे

यात्रा सत्र के दौरान 36,526 इनर लाइन परमिट (आईएलपी) जारी किए गए थे, जबकि इस वर्ष अब तक 36,776 परमिट जारी हो चुके हैं। यानी पिछले साल का आंकड़ा यात्रा सीजन के शुरूआती दौर में ही पार हो गया है। आदि कैलाश और ओम पर्वत के दर्शन के लिए देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, पर्यटक, ट्रेकर और प्रकृति प्रेमी पिथौरागढ़ पहुंच रहे हैं। यात्रा मार्गों पर बेहतर सड़क संपर्क, आवासीय सुविधाओं का विस्तार, सरल परमिट व्यवस्था और प्रशासन की प्रभावी तैयारियों का सकारात्मक असर यात्रियों की बढ़ती संख्या के रूप में दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि जानकार इस बढ़ती लोकप्रियता के पीछे वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदि कैलाश दौरे और वर्ष 2024 में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा जेलिंगकांग में आयोजित योग कार्यक्रम को भी अहम मान रहे हैं।

टीएमसी विधायकों की शिकायत पर ममता के घर पहुंची सीआईडी, घर में घुसने नहीं दिया गया



कोलकाता, एजेंसी। टीएमसी में चल रही घमासान के बीच पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी के घर मंगलवार को सीआईडी की टीम पहुंची। हालांकि टीम को घर में घुसने नहीं

दिया गया। सीआईडी अधिकारियों के साथ कालीघाट थाने की पुलिस और बड़ी संख्या में महिला पुलिसकर्मी भी मौजूद थीं। टीएमसी के पूर्व सांसद सुभाषिण चक्रवर्ती ने कहा कि

अभिषेक बनर्जी की गैरमौजूदगी में पार्टी ने तलाशी की अनुमति नहीं दी। अभिषेक के आने के बाद एजेंसी जांच कर सकती है। दरअसल, पार्टी के बागी विधायकों ने स्पीकर को पत्र भेजकर आरोप लगाया था कि अभिषेक बनर्जी के लेटर हेड पर भेजे गए शोभनदेव को नेता विपक्ष बनाने के प्रस्ताव पर फेक सिग्नेचर थे। उनका आरोप था कि अभिषेक ने यह फर्जी दस्तखत किए हैं। सीआईडी अधिकारियों के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी ने एजेंसी के नोटिस के जवाब में बताया था

नकारात्मक ताकतें आएंगी तो तहस-नहस करेंगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि रावण और उसके राक्षसों की आर्याव्रत में घुसपैठ थी। खर-दूषण के आतंक से दंडकारण्य त्रस्त था। ताड़का, मारीच व सुबाहु ने बस्तर के वनों, नगरों को उजाड़ दिया था। जब भी नकारात्मक ताकतें वर्चस्व में आएंगी तो तहस-नहस करेंगी। शिक्षण संस्थानों व शोध केंद्रों को वैसे ही बंजर करेंगी।

संतों की साधना राष्ट्र कल्याण व लोकमंगल के लिए

गोरक्षपीठाधीश्वर ने कहा कि संतों की साधना राष्ट्र कल्याण व लोकमंगल के लिए है। जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य जी द्वारा स्थापित भारत का पहला दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट में है और वह उसके कुलाधिपति हैं। इस उम्र में वह आराम कर सकते थे, लेकिन राष्ट्रमंगल की कामना के साथ प्रभु की कथा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। देश-दुनिया में कोई भी भक्त बुलाता है तो प्रभु की कृपा को जन-जन तक पहुंचाते हैं। इसके पीछे उनका उद्देश्य है कि भगवान राम के विराट आदर्श से भक्त थोड़ा भी अंश जीवन में अंगीकार कर लें तो उनका, समाज व देश का कल्याण हो सकता है।

आर्थिक कुप्रबंधन की मोदी सरकार अर्थव्यवस्था पर देती है सिर्फ नारे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने मोदी सरकार पर अर्थव्यवस्था को लेकर कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह सिर्फ लुभावने नारे देती है, प्रचार के जरिए लोगों को गुमराह करती है, जबकि जमीनी हकीकत वादों और नारों के एकदम विपरीत है। कांग्रेस शोध विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर राजीव गोड़ा तथा शोध और निगरानी विभाग के प्रभारी अमिताभ दुबे ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार में आर्थिक स्तर पर देश के जो हालात कर दिए गए हैं, वह इस सरकार के रहते बदलने वाले नहीं हैं, इसलिए सरकार को बदलना आवश्यक हो गया है। उनका कहना था कि देश में आर्थिक कुप्रबंधन चरम पर है और आर्थिक विकास को परती पर लाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने की बात करने वालों को यह भी माफूम होना चाहिए।

ओमान तट के पास टैंकर पर मिसाइल हमले के बाद सभी 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचाया गया



नयी दिल्ली, एजेंसी। दुनिया भर में भारतीय नाविकों की सुरक्षा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दिखाते हुए, मैरीटाइम रेस्क्यू कोऑर्डिनेशन सेंटर (एमआरसीसी) मुंबई ने ओमान के अधिकारियों के साथ मिलकर ओमान तट के पास एक व्यापारिक टैंकर पर मिसाइल हमले के बाद उस पर सवार सभी 24 भारतीय नाविकों को सफलतापूर्वक बचा लिया। भारतीय तटरक्षक बल ने मंगलवार को बताया कि एमआरसीसी मुंबई को सोमवार

दिन में दो बजकर 20 पर पलाऊ के ध्वज वाले टैंकर एम टी मेरीवेक्स पर मिसाइल हमले की जानकारी मिली। यह जहाज ओमान के मसौहह के पास लंगर डाले हुए था। जहाज पर 24 नाविक सवार थे और वह सभी भारतीय नागरिक थे। यह जानकारी जहाज पर मौजूद सदस्यों में से एक के रिश्तेदार ने एमआरसीसी मुंबई को दी थी। स्थिति की गंभीरता और नाविकों की सुरक्षा के लिए तत्काल खतरे को समझते हुए, एमआरसीसी

मुंबई ने तुरंत ओमान मैरीटाइम संच एंड रेस्क्यू सेंटर ओमान के साथ संपर्क स्थापित किया। उन्होंने ओमान की एजेंसी से खोज और बचाव मिशन समन्वय की जिम्मेदारी संभालने और जहाज और उसके सदस्यों को तत्काल सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया। तेजी से कार्रवाई करते हुए ओमान ने पास के एक जहाज का रास्ता बदलकर और घटना स्थल पर दो बचाव हेलीकॉप्टर भेजकर बचाव अभियान शुरू किया और उसका समन्वय किया। बदलती स्थिति पर नज़र रखने और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एमआरसीसी मुंबई ने ओमान और अन्य संबंधित पक्षों के बीच लगातार समन्वय बनाये रखा गया। लगभग पांच बजे ओमान ने पुष्टि की कि ओमान नौसेना के हेलीकॉप्टरों द्वारा सभी 24 भारतीय सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है।

तीसरा विकल्प न्यूज ब्यूरो न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजकुमार पी. हरीश ने अफगानिस्तान के गंभीर सुरक्षा व समाजिक हालात पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक में भारत का पक्ष बेहद आक्रामक और स्पष्ट तरीके से रखा है। बैठक के बाद राजकुमार हरीश ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा कर भारत के बयान के 10 प्रमुख बिंदुओं की सूची जारी की, जिसमें उन्होंने अफगानिस्तान की जनता के लिए भारतीय मदद का लेखा-जोखा देने के साथ-साथ पाकिस्तान के पाखंड और छद्म एजेंडे को उजागर किया। भारतीय राजदूत द्वारा साझा किए गए विवरण के अनुसार, भारत ने सुरक्षा परिषद को बताया कि अफगानिस्तान के लोगों के लिए भारत के क्षमता निर्माण और मानवीय सहायता कार्यक्रम टेरा के सभी 34 प्रांतों में फैले हुए हैं। भारत वहां 500 से



रेखांकित किया कि भारत ने प्राथमिक और तृतीयक दोनों स्तरों पर स्वास्थ्य परियोजनाओं के कार्यान्वयन में बड़ी प्रगति की है। उन्होंने इस इसके अलावा, भूकंप और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित अफगान नागरिकों की मदद करना और युवाओं को शिक्षा के अधिक अवसर देना, नशा मुक्ति कार्यक्रमों

पीओके में तनाव

जॉइंट आवामी एक्शन कमेटी का रिफ्यूजी सीटों को लेकर विरोध-प्रदर्शन



मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे इलाके (पीओके) में शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 विधानसभा सीटों को लेकर तनाव चरम पर है। जॉइंट आवामी एक्शन कमेटी (जेएएस) का आरोप है कि पाकिस्तान सरकार इन सीटों का इस्तेमाल अपने हित साधने के लिए करती है और इन्हें खत्म करने की मांग को लेकर क्षेत्र में हिंसक विरोध-प्रदर्शन किए जा रहे हैं। पीओके की यह अशांति 27 जुलाई को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच हुई है। यह विरोध-प्रदर्शन हाल के वर्षों में इलाके में हुई सबसे घातक अशांति के एक दिन बाद हो रहा है, जिसमें कम से कम 11 लोग मारे गए और 60 से अधिक घायल हो गए। इससे अगले

महीने होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले इलाके में और अस्थिरता का डर पैदा हो गया है। रावलकोट में जेएएस समर्थकों के एक साथी कार्यकर्ता की हत्या के विरोध में इकट्ठा होने के बाद प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। जेएएस आर्थिक शिकायतों, प्रशासन में सुधार और राजनीतिक मुद्दों को लेकर प्रदर्शन कर रही है और उसने रिफ्यूजी सीटों के मुद्दे को अपने आंदोलन का मुख्य केंद्र बनाया है। 'अरब न्यूज' की रिपोर्ट के अनुसार गठबंधन का तर्क है कि 45 सदस्यों वाली विधानसभा में आरक्षित 12 सीटों का इस्तेमाल मुख्यधारा की पाकिस्तानी राजनीतिक पार्टियां इलाके में सरकार बनाने की प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए करती हैं।

भारत ने पहली बार 12 परमाणु बम तैनात किए

2 साल में देश के एटीसी हथियार 180 से बढ़कर 190 हुए, पाकिस्तान से 20 ज्यादा

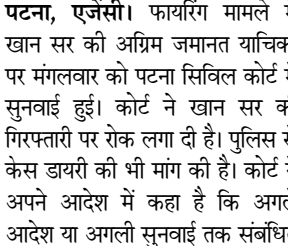


नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने पहली बार 12 परमाणु हथियार मोचें पर तैनात किए हैं। देश का परमाणु हथियारों का भंडार भी 180 से बढ़कर 190 हो गया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट में यह बताया गया है कि 2025 में भारत ने एक भी परमाणु हथियार तैनात नहीं किया था, लेकिन 2026 में 12 की तैनाती की है। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। उसके पास अभी 170 परमाणु हथियार हैं। उसके कितने हथियार तैनात हैं, यह स्पष्ट नहीं है। रूस-अमेरिका की तरह भारत अपने परमाणु हथियारों की सटीक संख्या, क्षमता और नाम आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं करता। सिपरी और दूसरी संस्थाएं केवल अनुमान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने की बात करने वालों को यह भी माफूम होना चाहिए।

पाकिस्तान समेत सभी परमाणु संपन्न देश अपने हथियारों और डिलीवरी सिस्टम को तेजी से अपग्रेड कर रहे हैं। 2026 की शुरुआत में दुनिया के 9 देशों अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार हैं। इसमें से 9,745 परमाणु हथियार सेना के भंडार गृह में हैं, जो इस्तेमाल के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारत लंबी दूरी के ऐसे हथियार बनाने पर फोकस बढ़ा रहा है, ताकि उनकी पहुंच चीन के आखिरी छोर तक हो सके। दरअसल, भारत एक साथ चीन और पाकिस्तान दोनों मोर्चों पर संतुलित रणनीतिक क्षमता बनाए रखने को कोशिश कर रहा है। 2020 की हिंसक गलतफहमि झड़प के बाद भारत-चीन सीमा पर भारतीय सैन्य निगरानी भी बढ़ी है। भारत नए परमाणु डिलीवरी सिस्टम पर भी काम कर रहा है। इनमें सबसे अहम है एमआईआरवी तकनीक यानी मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल रीएंट्री व्हीकल। इस तकनीक के जरिए एक ही बैलिस्टिक मिसाइल कई परमाणु हथियार ले जा सकती है।

खान सर की गिरफ्तारी पर रोक

कोर्ट में वकील बोले, गोली खान सर ने नहीं चलाई



पटना, एजेंसी। फावरिंग मामले में खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर मंगलवार को पटना सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने खान सर की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। पुलिस से केस डायरी की भी मांग की है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि अगले आदेश या अगली सुनवाई तक संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कोई कठोर या दबावपूर्ण कार्रवाई न की जाए। खान सर की तरफ से पेश हुए वकील अरविंद कुमार महुआश्र ने कोर्ट से कहा कि गोली आत्मरक्षा में चलाई गई। किसी तरह से भय फैलाना मकसद नहीं था। खान सर के वकील ने बताया कि खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर 20 जून को सुनवाई होगी। सोमवार को खान ग्लोबल स्टडीज के डायरेक्टर खान सर की ओर से पटना के जिला एवं सत्र कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई। खान सर पर हत्या की कोशिश और हथियारों के अवैध इस्तेमाल का मामला दर्ज है।

इधर, खान सर की कोचिंग पर हमला मामले में जेल में बंद ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद की जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। सोमवार को इसी मामले में जेल में बंद खान सर के दो सिक्योरिटी गार्ड दीपक था। खान सर के वकील ने बताया कि खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर 20 जून को सुनवाई होगी। सोमवार को खान ग्लोबल स्टडीज के डायरेक्टर खान सर की ओर से पटना के जिला एवं सत्र कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई। खान सर पर हत्या की कोशिश और हथियारों के अवैध इस्तेमाल का मामला दर्ज है।

यूएनएससी में भारत ने गिनाए अफगान नीति के 10 बड़े संकल्प

न्याय और पारगमन आयोग) से बिलकुल निरपेक्ष बताया। भारत ने एजेंसी देशों से लौटने वाले अफगान शरणार्थियों के पुनर्वास के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई। संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन की रिपोर्टों का हवाला देते हुए भारतीय दूत ने सीमा पार से होने वाली

रिहा, हवाई हलकों और लक्षित हत्याओं में निर्दोष नागरिकों की मौत पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने पाकिस्तान पर सीधा हल्ला बोलते हुए कस रतनाज के पवित्र महीने में हवाई हल्ले कर निर्दोष महिलाओं और बच्चों को मारना और दूसरी तरह अंतरराष्ट्रीय कानून और इस्लामी एकजुटता की बड़ी-बड़ी बातें करना, पाखंड का सबसे बड़ा उदाहरण है। भारतीय राजनयिक ने पाकिस्तान सरकार द्वारा अपनी विवेकसिंह किया है।" उन्होंने इसे पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान पर घोषित 10% डेड वुड ट्रिब्यूनल टेररिज्म (व्यापार और पारगमन आयोग) से बिलकुल निरपेक्ष बताया। भारत ने एजेंसी देशों से लौटने वाले अफगान शरणार्थियों के पुनर्वास के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई। संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन की रिपोर्टों का हवाला देते हुए भारतीय दूत ने सीमा पार से होने वाली

नशामुक्त भारत अभियान को मिली नई गति

⇒ 24म7 हेल्पलाइन और परामर्श व्यवस्था से लोगों को मिल रही मदद ⇒ योगी सरकार में नशा मुक्ति केंद्रों और पुनर्वास सेवाओं का हो रहा विस्तार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में मद्यनिषेध विभाग के जरिए नशा मुक्त भारत अभियान को नई गति मिली है। योगी सरकार नशे की समस्या से जूझ रहे लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने और युवाओं को नशे की गिरफ्त में आने से बचाने के लिए व्यापक स्तर पर जनजागरण अभियान चला रही है। जागरूकता कार्यक्रमों के साथ-साथ हेल्पलाइन, परामर्श और पुनर्वास सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।प्रदेश में नशे के खिलाफ सामाजिक चेतना विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के समन्वय से अभियान संचालित किया जा रहा है। स्कूलों, कॉलेजों और ग्राम पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रम कर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया जा रहा है। कई स्थानों पर लोगों को नशा न करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई जा रही है।केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्त भारत अभियान के तहत योगी सरकार लगातार प्रयासरत है। 24म7 हेल्पलाइन नंबर 14416 और अन्य

परामर्श सेवाओं के माध्यम से नशे की समस्या से जूझ रहे व्यक्तियों और उनके परिवारों को मानसिक एवं भावनात्मक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। आंकड़ों के मुताबिक हेल्पलाइन और परामर्श व्यवस्था के जरिए प्रदेश में अब तक 37 हजार से अधिक लोगों तक सहायता पहुंचाई जा चुकी है। इससे जरूरतमंद लोगों को समाज पर मार्गदर्शन और विशेषज्ञों की सलाह मिल रही है। वित्तीय वर्ष 2025- 26 में 4 लाख से अधिक मोबाइल नंबरों पर एसएमएस तथा आकाशवाणी के एफएम रेनबो चैनल पर 232 स्पोर्ट्स प्रसारित किए गए हैं।यूपी में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सोनभद्र और प्रयागराज के माघ मेला- 2026 में वीडियो वैन का संचालन, 829 सांस्कृतिक कार्यक्रम, 1800 वालफैंटिंग, 1767 गोष्ठियां और नशा छोड़ने, उपचार के लिए 3026 प्रेरित किया है।चूँकि नशे के खिलाफ जनभागीदारी आवश्यक है इसलिए राज्य सरकार का उद्देश्य केवल नशा

छोड़वाना नहीं, बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा देकर प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना है। उत्तर प्रदेश में नशामुक्त भारत अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य मद्यनिषेध अधिकारी

आर एल राजवंशी ने बताया कि योगी सरकार की मंशा के अनुरूप नशा मुक्ति केंद्रों और पुनर्वास सेवाओं को भी मजबूत किया जा रहा है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में संचालित नशा मुक्ति केंद्रों के माध्यम से उपचार, काउंसलिंग और पुनर्वास की

सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं ताकि नशे की लत से बाहर आए लोग सम्मानपूर्वक समाज में पुनः स्थापित हो सकें। इन केंद्रों में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की मदद से मरीजों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने की पीएफ़ ईएसआई लागू करने की मांग

फ़तेहपुर। जिले में नगर पालिका परिषद सदर, बिंदकी और नौ नगर पंचायतों के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है। अखिल भारतीय सफ़ाई मजदूर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष धीरज बाल्मीकि के नेतृत्व में यह ज्ञापन अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य रमेश कुंडे को दिया गया। ज्ञापन में बताया गया है कि इन निकायों में कार्यरत कर्मचारियों का भविष्य निधि (पीएफ), बीमा और ईएसआई का अंशदान समय पर जमा नहीं किया जा रहा है। इस अनियमितता के कारण कर्मचारियों को अपने पीएफ़खाते की स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है। इसके अतिरिक्त, अधिकांश कर्मचारियों के ईएसआई कार्ड और पहचान पत्र (आई-कार्ड) भी नहीं बनाए गए हैं। ऐसी स्थिति में यदि कार्य के दौरान किसी कर्मचारी के साथ कोई दुर्घटना या अप्रिय घटना होती है, तो उसे बीमा और ईएसआई योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाएगा। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों और आउटसोर्सिंग कंपनियों को कई बार ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। कर्मचारियों ने यह भी बताया कि शासन द्वारा 1 अप्रैल 2026 से लागू किए गए नवीन वेतनमान का लाभ भी आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को नहीं दिया जा रहा है। इस अनदेखी के कारण कर्मचारियों में भारी असंतोष व्याप्त है। कर्मचारियों ने मांग की है कि इस पूरे मामले की जांच कराई जाए। साथ ही, सभी आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का पीएफ़ बीमा और ईएसआई अंशदान नियमित रूप से जमा कराया जाए, ईएसआई कार्ड और आई-कार्ड तत्काल बनाए जाएं और शासनादेश के अनुसार 1 अप्रैल 2026 से नवीन वेतनमान का लाभ प्रदान किया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में राजू बाबू, विजय बक्सी, देवनाथ धाकड़े, वीरेंद्र कुमार, राहुल, जयकुमार, विपिन कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, अरुण कुमार, शिवराम, रामप्रकाश, रामबाबू सहित अन्य कर्मचारी शामिल थे।

नगाँव में मंत्री पिपूष हज़ारिका का विभागीय समीक्षा बैठक, खुदरोज़गार और सिंचाई सुधार पर ज़ोर।



तीसरा विकल्प न्यूज़ पंक्षज नाथ असम। असम सरकार में नए नियुक्त मंत्री तथा नगर जिले के अभिभावक मंत्री पिपूष हज़ारिका मंगलवार को नगाँव जिले पहुंचे और जिले के सभी विभागीय कार्यों की समग्र समीक्षा की। जिले के आयुक्त कार्यालय की सभाकक्ष में आयोजित बैठक में असम सरकार के कृषि, सिंचाई आदि विभाग के मंत्री पिपूष हज़ारिका ने मुख्यमंत्री के आत्मनिर्भर असम अभियान और मुख्यमंत्री के महिला उद्यमिता योजना से जुड़ी पहलों की जानकारी लेते हुए कहा कि सरकार दो लाख लोगों को नई नौकरियाँ देने का निर्णय ले चुकी है, पर यह समस्या का स्थायी समाधान देने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। इसलिए स्व-रोज़गार को बढ़ावा देने वाली योजनाओं के जरिए आत्म-नियोजित होने पर विशेष जोर दिया जाएगा। मंत्री ने बताया कि आत्मनिर्भर असम अभियान के अन्तर्गत 10 लाख युवा-युवतियों को स्वरोजगार के

अवसर मुहैया कराने की व्यवस्था की जा रही है, और ऋण प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का सही उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी लागू की जाएगी। उन्होंने जिले में कृषि उत्पादन बढ़ाने और किसानों के पंजीकरण सख्या में वृद्धि लाने पर विशेष ध्यान देने को कहा। नगाँव के सिंचाई योजनाओं की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ परियोजनाएँ या तो असफल रही

हैं या उनका पर्याप्त उपयोग नहीं हो पा रहा। ऐसे अकुशल या अकार्यक्षम अनुप्रयोगों को पुनर्जीवित करने के लिए विभागीय अधिकारियों को शीघ्र एक कार्ययोजना तैयार करने के कड़े निर्देश दिए गए। मंत्री ने कहा कि वे निश्चित भविष्य में फिर नगाँव आकर प्रत्येक विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करेंगे। बैठक में नगाँव-बटद्रवा विधानसभा से विधायक रूद्रक शर्मा, बरहमपुर से जीतू

गोस्वामी, रहा से शशीकांत दास, ढिंग से मेहबूब मुत्तार, चामगुड़ी से तजिल हूसैन तथा रुपहीहाट के नूरुल हुडा सहित जिले के सभी विधायक उपस्थित रहे। नगांव जिला आयुक्त देवाश्रय शर्मा ने नव-नियुक्त मंत्री का जिले में गर्मनीयों के साथ स्वागत करते हुए कहा कि मंत्री के मार्गदर्शन व सुझावों के आधार पर जिले को आगे बढ़ाने के सभी अधिकारी तत्पर हैं। बैठक की शुरुआत में आयुक्त ने पुष्पगुच्छ, गमोचा और शाल ओढ़ाकर मंत्री का स्वागत किया। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला विकास आयुक्त, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और समस्त अतिरिक्त आयुक्त सहित सभी विभागीय प्रमुख उपस्थित थे। मंत्री ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से परिचय भी लिया। इससे पहले मंत्री पिपूष हज़ारिका ने होज़ाई जिले में में भी इसी प्रकार की समीक्षा बैठक में भाग लिया।

ककरहिया में सड़क व इंटरलॉकिंग गली निर्माण की मांग, बांस-बल्ली के अस्थायी पुल से जान जोखिम में डालकर आवागमन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

लहरताया वाई अंतर्गत ककरहिया (पुश्पा कबीर मठ) क्षेत्र के निवासियों ने सड़क एवं इंटरलॉकिंग गली निर्माण की मांग को लेकर स्थानीय पार्षद को प्रार्थना पत्र सौंपा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि प्लॉट संख्या 176 से 182 तक जाने के लिए समुचित मार्ग उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण लोगों को प्रतिदिन भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। निवासियों ने मांग की है कि प्लॉट संख्या 176 से 182 तक पहुंच मार्ग का निर्माण कराया जाय तथा क्षेत्र की गलियों का इंटरलॉकिंग के माध्यम से विकास किया जाए। उनका कहना है कि वर्तमान में गली की स्थिति अत्यंत जर्जर है। बरसात के दिनों में जलभराव और कीचड़ के कारण लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे आवागमन प्रभावित होने के साथ-साथ संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि मजबूती में लोगों ने बांस-बल्ली के सहारे एक अस्थायी पुलनुमा रास्ता तैयार कर रखा है, जिसके माध्यम से आवागमन किया जाता है। बारिश के दौरान इस पुल पर पानी भर जाने से लोगों का अना-जाना बाधित हो जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह अस्थायी व्यवस्था कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है, इसलिए स्थायी सड़क और पुलिया निर्माण अत्यंत आवश्यक है। प्रार्थना पत्र में उल्लेख किया गया है कि यह मांग क्षेत्र के निवासियों की आपसी सहमति से जनहित में की जा रही है। सड़क और इंटरलॉकिंग गली का निर्माण होने से पूरे मोहल्ले के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा वर्षों पुरानी समस्या का समाधान बन सकेगा। क्षेत्रवासियों ने नगर निगम प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों से शीघ्र कार्रवाई करते हुए सड़क, इंटरलॉकिंग गली तथा आवश्यक पुलिया निर्माण कार्य शुरू करवाने की मांग की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जनहित को देखते हुए नगर निगम इस समस्या का जल्द समाधान करेगा और क्षेत्रवासियों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध करायेंगा।



भगवान की समस्त लीलाओं और अवतारों की कथाओं का ज्ञान कराने वाली कथा है श्रीमद्भागवत– आचार्य पद्म लोचन गोस्वामी महाराज



तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो वृन्दावन। रामताल रोड़ स्थित गणेश सिटी सोसायटी के श्रीराधा नील माधव जू मन्दिर में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर चल रहे सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ महोत्सव के चौथे दिन व्यास पीठ से डाकूर श्रीराधा रमण मंदिर के सेवाधिकारी आचार्य पद्म लोचन गोस्वामी महाराज ने अपनी सुमधुर वाणी के द्वारा समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं को गजेन्द्र मोक्ष, अमृत मंथन, गंगा अवतरण, श्रीराम जन्म एवं भगवान श्रीकृष्ण जन्म की कथा का रसास्वादन कराया।

व्यासपीठाधीन श्रद्धेय आचार्य पद्म लोचन गोस्वामी महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण में भगवान की समस्त लीलाओं और अवतारों की कथाओं का ज्ञान कराने वाली यह कथा सकाम कर्म, निकाम कर्म, ज्ञान साधना, सिद्धि साधना, भक्ति, अनुग्रह, मर्यादा, द्वैत-अद्वैत, निर्गुण-सगुण राम प्रदान करती है। वस्तुतः श्रीमद्भागवत महापुराण भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का अक्षय भंडार है। इसीलिए इस ग्रंथ के श्रवण करने से मनुष्य के समस्त पापों का क्षय हो जाता है और भगवान की भक्ति सहज में ही प्राप्त होती है। इस अवसर पर

व्यासपीठ का पूजन-अर्चन कर किया। कार्यक्रम में कथा के मुख्य यजमान प्रणव अवस्थी (नई दिल्ली), बाल कृष्ण शर्मा, धनवी गोस्वामी, शकुन्तला शर्मा, आशीष शर्मा, असीम शर्मा, दीपक भारद्वाज, साधना गोस्वामी, पुनीता भारद्वाज, बबीता शर्मा, राजकुमार शर्मा, मनीषा गोस्वामी, समीक्षा गोस्वामी, विदुषी गोस्वामी, गोपाल खंडेलवाल, बाल कृष्ण,अजय शर्मा,शोफाली शर्मा, अभिजीत शर्मा, शर्मिला शर्मा, मिक्की शर्मा, मोहन श्याम, जॉय गोस्वामी, अबू गोस्वामी, प्रमोद शर्मा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने वित्त, पर्यावरण एवं वन और खनन व खनिज संसाधन विभागों के अधिकारियों साथ हुई बैठक।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंक्षज नाथ असम। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली मंत्रिमंडल में वित्त, पर्यावरण एवं वन तथा खनन व खनिज संसाधन



विभागों के मंत्री के रूप में नियुक्त होने के बाद आज मंगलवार को मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने इन तीनों विभागों के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक में भाग लिया। यह बैठक मंत्री के सरकारी आवास स्थल , दिप्पपुर में उनके आवास पर आयोजित हुई। बैठक के दौरान मंत्री

बरुवा ने कहा कि असम सरकार के ये तीनों विभाग राज्य के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने अधिकारियों को मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रभावी नीतियों बनाकर और पारदर्शी प. शासन सुनिश्चित कर विभागीय लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए दिशा-निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि उनका

वित्तीय अनुशासन पर जोर देने को कहा। पर्यावरण एवं वन विभाग के अधिकारियों से उन्होंने जंगलों के संरक्षण, जैव विविधता सुरक्षा और पर्यावरणीय नुकसान की भरपाई के साथ-साथ समाज-आधारित वन प्रबंधन योजनाओं को भी सक्रिय रूप से बढ़ाने का आह्वान किया। वहीं खनन व खनिज संसाधन विभाग को संसाधनों के सतत दोहन, खनन मानकों का पालन तथा स्थानीय जनता के सामाजिक और आर्थिक हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने भरोसा जताया कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा के मार्गदर्शन में विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से इन महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारियाँ सकारण रूप से निभाई जाएगी और राज्य के विकास में उनकी भरी हिस्सेदारी रहेगी। बैठक का समापन कार्य योजना और प्राथमिकताओं की रूपरेखा पर चर्चा करके किया गया।

अंतर्गत भाजपा मंडल नगर पश्चिमी क्षेत्र में विभिन्न सम्मानित नामारिको से आत्मीय भेंट एवं संवाद किया। इस क्रम में विधायक ने चेतर्गज स्थित प्ले वे स्कूल के डायरेक्टर रचित जैन, सेकसरकारी कॉलोनी निवासी रामचंद्र मिश्र इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सुनील दूबे, बल्ली का अछा स्थित वरिष्ठ

सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य बुजबेद पाण्डेय एवं वरिष्ठ पत्रकार संदर्भ पाण्डेय से शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान विधायक ने क्षेत्र के विकास, शिक्षा की गुणवत्ता, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और सामाजिक

सरोकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर साथक चर्चा की। शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम, युवाओं के कौशल विकास और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने पर भी विचार-विमर्श हुआ। विधायक रत्नाकर मिश्र ने कहा कि जनसंपर्क अभियान के माध्यम से

क्षेत्रवासियों का स्नेह, विश्वास एवं बहुमूल्य मार्गदर्शन निरंतर प्राप्त हो रहा है। यह जनसेवा के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रेरणादायी बनाता है। उन्होंने कहा कि जनता और समस्याओं का समाधान और विध्यमय का समग्र विकास ही

प्राथमिकता है। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष नगर पश्चिमी नितिन विश्वकर्मा, मंडल महामंत्री कृष्ण कुमार सिंह, गोपाल जी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने घर-घर जाकर संरकारी की उपलब्धियों को पहुंचाने का संकल्प लिया।

संपर्क से समर्थन कार्यक्रम पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, विधायक रत्नाकर मिश्र हुए शामिल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। नगर विधायक पं. रत्नाकर मिश्र ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित संपर्क से समर्थन कार्यक्रम की बैठक में सहभागिता की। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री वीएल संतोष तथा राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने मार्गदर्शन दिया। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 स्वर्णिम वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। विधायक रत्नाकर मिश्र ने बताया कि संपर्क से समर्थन अभियान के तहत कार्यकर्ता घर-घर जाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और ऐतिहासिक फैसलों की जानकारी देंगे। राष्ट्रीय नेतृत्व से कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे मोदी सरकार की उपलब्धियों जैसे उवला योजना, पीएम आवास, आरूपमन भारत, धारा 370 हटाना, राम मंदिर निर्माण और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती साख को जनता के बीच रखें। विधायक ने कहा कि विध्यमय मीरजापुर में भी अभियान को पूरी ताकत से चलाया जाएगा। जनता का समर्थन ही भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी है।

मनीष सिंह हत्याकांड में चार आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज, वरिष्ठ अधिकताओं ने निःशुल्क की पेरवी तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी



वाराणसी। घमलपुर के चर्चित मनीष सिंह हत्याकांड मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय में चार आरोपियों की जमानत याचिका पर हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने सभी चारों आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज कर दी। मनीष सिंह के पथ से वरिष्ठ फौजदारी अधिकता एवं सेंट्रल बार वाराणसी के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंह प्रिंस, वरिष्ठ अधिकता एवं सेंट्रल बार के पूर्व महामंत्री संजय सिंह दाही तथा अधिकता शैलेन्द्र प्रताप सिंह अधिकता एवं सेंट्रल बार की पूर्व प्रबंध समिति के सदस्य विवेक सिंह ने प्रमोवी ढंग से पथ रखा। अधिकताओं की ओर से प्रस्तुत तथ्यों एवं तर्कों के आधार पर न्यायालय ने चारों आरोपियों की जमानत याचिकाएं निरस्त कर दी। इस मामले की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि सभी अधिकताओं ने पौडित पथ को न्याय दिलाने के उद्देश्य से न्याय किसी शुल्क के निःशुल्क पेरवी की। उनकी यह पहल सामाजिक सरोकार, न्याय के प्रति प्रतिबद्धता और मानवीय संवेदनाओं की एक प्रेरणादायक मिसाल मानी जा रही है। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने अधिकताओं के इस निःस्वार्थ योगदान की सराहना करते हुए इसे न्याय व्यवस्था में मानवता और सेवा भाव का उत्कृष्ट उदाहरण बताया है।

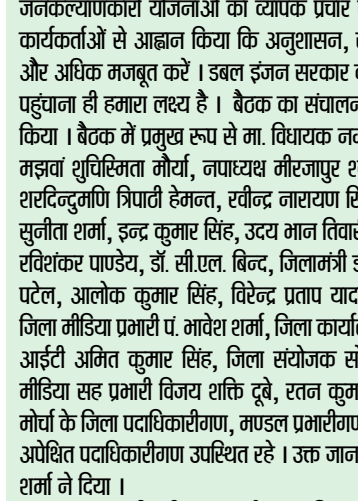
भाजपा की मासिक जिला बैठक संपन्न हुई

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर बुधवार को जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज जी की अध्यक्षता में मासिक जिला बैठक संपन्न हुई। जिसमें पूर्व में चल रहे अभियान की समीक्षा की गई एवं आगामी कार्यक्रम एवं अभियान पर महान चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सरोज जी ने कस कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकरायाण के पूर्ण होने पर हमें घर-घर जाकर सरकार की उपलब्धियां व लाभार्थी योजनाओं की जानकारी देनी है। उन्होंने 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' अभियान को प्राथमिकता से पूर्ण करने का निर्देश दिया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जिले के सभी मंडलों में लाभार्थी संपर्क अभियान तथा सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार की जनकरायाणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा। श्री सरोज ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि अनुशासन, समन्वय और संवाद से संगठन को और अधिक मजबूत करें। डबल इंजन सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही हमारा लक्ष्य है। बैठक का संचालन जिला महामंत्री स्वामीनाथ सिंह ने किया। बैठक में प्रमुख रूप से मा. विधायक नगर पं. रत्नाकर मिश्र, मा0 विधायक मझवां सुचिरमिता मोर्चा, नपाध्यक्ष मीरजापुर श्याम सुन्दर केशरी, जिला उपाध्यक्ष शरदेंद्रुमणि त्रिपाठी हेमन्त, रवीन्द्र नाथरा सिंह, गोवर्ध ऊमर, चिन्तामणि मोर्चा, सुनीता शर्मा, इन्द्र कुमार सिंह, उदय भानु तिवारी, बैजनाथ प्रजापति, जिला महामंत्री रवीन्द्रकर पाण्डेय, डॉ. सी.एल. बिन्द, जिलामंत्री डॉ. विजय सिंह, रोहित त्रिपाठी, संस्था पटेल, आलोक कुमार सिंह, विरेन्द्र प्रताप यादव, जिला कोषाध्यक्ष चंद्रशेखर गोयान, जिला मीडिया प्रभारी पं. भावेश शर्मा, जिला कार्यालय मंत्री मनोज दूबे, जिला संयोजक आईटी अमित कुमार सिंह, जिला संयोजक सोशल मीडिया आनन्द मैनी, जिला मीडिया सह प्रभारी विजय शक्ति दूबे, रतन कुमार सिंह, शुभम जायसवाल के साथ मोर्चा के जिला पदाधिकारीगण, माण्डल प्रभारीगण, माण्डल अध्यक्षगण के साथ अन्य अपेक्षित पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी पं. भावेश शर्मा ने दिया।

साइबर ठगी की घटना से सम्बन्धित धनराशि 4,200 को थाना मईखान साइबर टीम द्वारा पौडित के खाते में कराया गया वापस

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर



मिर्जापुर। आवेदक ओम प्रकाश श्रीवास्तव पुत्र स्व0 विश्वनाथन प्रसाद निवासी ग्राम पट्टेवर थाना मईखान मीरजापुर के पास एक अंजान नम्बर से कॉल आया कि क्या आप शेयर मार्केट में ट्रेडिंग करके पैसे कमाना चाहते है इस बात पर भरोसा करते हुए,

आवेदक ने जवाबी में हैं ₹5,000

सदियों के खाते में ट्रान्सफर कर दिये। जब आवेदक को पता चला कि यह एक फाड है तो आवेदक द्वारा इसकी शिकायत NCRP पोर्टल पर की गयी। न्युना प्राप्त होने पर थाना मईखान साइबर सेल द्वारा जांच प्रारम्भ की गयी। अपणां रजत चौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर के निदेशन में, पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन के नेतृत्व में थाना मईखान साइबर टीम द्वारा उपरोक्त जांच के दौरान पैसे को होल्ड करारते हुए पौडित के खाते में धनराशि ₹4,200 वापस करायी गयी। खाते में पैसा वापस आने पर आवेदक द्वारा थाना पर उपस्थित होकर मीरजापुर पुलिस के उपाधिकारियों एवं थाना मईखान की साइबर सेल टीम की प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया गया। आवेदक को साइबर जागरूकता अभियान के तहत साइबर सम्बन्धी होने वाली ठगी से जागरूक किया गया,और भी लोगों को उनके द्वारा साइबर ठगी से सावधान रहने हेतु बताये जाने की बात बताई गई।

समतामूर्क उच्च शिक्षा व एआई पर छह दिवसीय एफडीपी का समापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी/हजारीबाग। अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र (आईयूसीटीई), वाराणसी एवं डिजी कॉलेज बरही, चंदनारा (झारखंड) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का समापन हुआ। समतामूर्क उच्च शिक्षा-भारतीय ज्ञान परंपरा एवं कुत्रिम बुद्धिमान का एकीकरण विश्वयक कार्यक्रम में शिषकों ने अपने अनुभव एवं निष्कर्ष प्रस्तुत किए। मुख्य वक्ता प्रो. आशीष श्रीवास्तव ने सुशासन, नेतृत्व, संस्थागत विकास तथा कुत्रिम बुद्धिमता की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एआई मानवीय बुद्धिमता का विकल्प नहीं, बल्कि एक सहायक उपकरण है। समापन सत्र में डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के शिषकों ने सक्रिय सहभागिता की।



मां तारा सिंह के संस्कारों से जन्मी सेवा की अनूठी मिसाल

➞ डॉ. राजेश्वर सिंह की ‘तारा शक्ति रसोई’ ने 40 लाख से अधिक जरूरतमंदों तक पहुंचाया भोजन, गांव-गांव तक फैली जनसेवा की पहचान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता **लखनऊ**

सरोजनी नगर । जनप्रतिनिधि का असली मूल्यांकन उसके पद से नहीं, बल्कि समाज के प्रति उसके योगदान से होता है। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने अपने कार्यों से यह साबित किया है कि राजनीति केवल शासन का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का सबसे प्रभावी भी बन सकता है। अपनी पुण्य माता स्वगीय तारा सिंह की स्मृति में शुरू की गई ‘तारा शक्ति निःशुल्क रसोई’ आज मानवता, करुणा और सेवा का ऐसा प्रतीक बन चुकी है, जिसकी चर्चा पूरे प्रदेश में हो रही है। 18 जुलाई 2023 को शुरू हुई इस रसोई का उद्देश्य बेहद सरल लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण था—कोई भी गरीब, मजदूर, असह्य व्यक्ति, मरीज का परिजन या जरूरतमंद नागरिक भूखा न रहे। डॉ. राजेश्वर सिंह ने अपनी माता के उन संस्कारों को जनसेवा का रूप दिया, जिसने जरूरतमंद की सहायता को सबसे बड़ा धर्म माना जाता था। यही कारण है कि तारा शक्ति रसोई आज केवल भोजन



सहारे का केंद्र बन चुकी है। आज के समय में जहां अधिकांश लोग केवल बड़े मंगल या विशेष अवसरों पर अंडारे का आयोजन करते हैं, वहीं विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ‘तारा शक्ति रसोई’ के माध्यम से पूरे 12 महीने प्रतिदिन निःशुल्क भोजन सेवा संचालित कर रहे हैं। यह पहल निरंतर सेवा, समर्पण और मानवीय संवेदनाओं का ऐसा उदाहरण बन चुकी है, जो समाज में जनप्रतिनिधियों

जीएसटी व्यापारी संवाद कार्यक्रम में व्यापारियों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

➞ व्यापारी जमाल मिर्जा द्वारा दी गई जानकारी दी गई



बीमा योजना की जानकारी देते हुए बताया कि यदि किसी पंजीकृत व्यापारी के साथ कोई अनहोनी घटना घटती है, तो सरकार द्वारा इस योजना के अंतर्गत 10 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। श्री पाण्डे ने व्यापारियों को पुराने ढ़ेर सामानों का गैर निस्सारण कराने की सलाह भी दी, जिससे

भविष्य में किसी प्रकार की प्रशासनिक या कानूनी जटिलता का सामना न करना पड़े। उन्होंने सभी व्यापारियों से अपने व्यवसाय का विधिवत पंजीकरण कराने और नियमों के अनुरूप व्यापार करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपस्थित व्यापारियों ने जीएसटी एवं अन्य कर संबंधी विषयों पर अपनी जिज्ञासाएं श्री कौशल कुमार पाण्डे के समक्ष रखीं। उन्होंने सभी प्रश्नों का विस्तारपूर्वक उत्तर देते हुए व्यापारियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जीवेश उपाध्याय, अमित गुप्ता सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यापारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में व्यापारियों ने इस प्रकार के संवाद कार्यक्रमों को समय-समय पर आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

सरोजनीनगर बना विकास और सामुदायिक सशक्तिकरण का मॉडल, डॉ. राजेश्वर सिंह ने आरडब्ल्यूए में जिम, पुस्तकालय और सोलर प्लांट देकर बदली तस्वीर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता **लखनऊ**

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई पहचान बन चुके विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह लगातार ऐसे कार्य कर रहे हैं, जिनका सीधा लाभ आम नागरिकों को मिल रहा है। उनका उद्देश्य केवल सड़क, भवन और आध्वारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि समाज को स्वस्थ, शिक्षित, संगठित और आत्मनिर्भर बनाना है। इसी सोच के तहत उन्होंने सरोजनीनगर की आरडब्ल्यूए, आवासीय सोसायटियों और बहुमंजिला परिसरों को आधुनिक सामुदायिक केंद्रों के रूप में विकसित करने का अभियान शुरू किया है। डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल पर सरोजनीनगर में अब तक 106 ओपन एयर जिम स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें 56 जिम सीएसआर निधि तथा 50 जिम लखनऊ विकास प्राधिकरण के सहयोग से लगाए गए हैं। हाल ही में विभिन्न आरडब्ल्यूए परिसरों में 15 नए जिम भी स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा 94 अन्य ओपन जिमों को भी रवीकृति मिल चुकी है। इन जिमों के

माध्यम से क्षेत्र के बुजुर्ग, महिलाएं और युवा अब अपने घरों के पास ही स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। ज्ञान



और शिक्षा को समाज की सबसे बड़ी शक्ति मानते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने 62 आरडब्ल्यूए में सामुदायिक पुस्तकालय स्थापित कराए हैं। इन पुस्तकालयों में 1,600 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे बच्चों और युवाओं को अध्ययन का बेहतर वातावरण मिल रहा है। शिक्षा को तकनीक से जोड़ने के लिए 37 शिक्षण संस्थानों में डिजिटल लैब, 43 विद्यालयों में इंटरनेटिव

की भूमिका को नई पहचान देती है। शुरुआत में प्रतिदिन लगभग 2000 लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जाता था, लेकिन लोगों का विश्वास और जरूरत बढ़ने के साथ इस सेवा का दायरा भी लगातार विस्तारित होता गया। वर्तमान में प्रतिदिन 4000 से अधिक लोगों को निःशुल्क, स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। पिछले लगभग तीन वर्षों के दौरान इस पहल के माध्यम से 40 लाख से अधिक लोगों तक भोजन पहुंचने का अनुमान लगाया जाता है। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, बल्कि उन लाखों लोगों की दुआओं और विश्वास का प्रतीक है जिनके कठिन समय में यह रसोई सहाय बनी। लोकबंधु अस्पताल सहित विभिन्न स्थानों पर संचालित इस सेवा का लाभ मरीजों के परिजन, दिवंगी मजदूर, विधवा चालक, बुजुर्ग, महिलाएं और जरूरतमंद नागरिक प्रतिदिन प्राप्त कर रहे हैं। सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि भीषण गर्मी, कड़ाके की सर्दी या भारी बारिश जैसी परिस्थितियों में भी यह सेवा बिना किसी रुकावट के लगातार जारी रहती है। इससे डॉ. राजेश्वर सिंह की सेवा

भावना और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता स्पष्ट दिखाई देती है। डॉ. राजेश्वर सिंह की पहचान केवल तारा शक्ति रसोई तक सीमित नहीं है। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के गांव-गांव में उनके विकास कार्यों की छाप दिखाई देती है। सड़क निर्माण, नाली व्यवस्था, पेयजल सुविधाएं, विद्युत व्यवस्था, सामुदायिक भवनों का विकास तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से उन्होंने क्षेत्र के विकास को नई गति प्रदान की है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर लोगों की समस्याओं को सुनना और उनके समाधान के लिए तत्पर रहना उनकी कार्यशैली की विशेषता बन चुका है। क्षेत्र के अनेक ग्रामीणों का कहना है कि डॉ. राजेश्वर सिंह केवल चुनाव के समय दिखाई देने वाले नेता नहीं हैं, बल्कि वे वर्षभर जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान का प्रयास करते हैं। यही कारण है कि गांव-गांव में उन्हें एक जनप्रतिनिधि से अधिक जनसेवक के रूप में सम्मान प्राप्त है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक

सहयोग से जुड़े अनेक प्रयासों ने भी उनकी लोकप्रियता को नई उंचाइयों तक पहुंचाया है। तारा शक्ति रसोई की प्रेरणा बनी स्वर्गीय तारा सिंह का व्यक्तित्व भी सेवा, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों का प्रतीक माना जाता है। डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा अपनी माता की स्मृति को जनकल्याण से जोड़ना यह दर्शाता है कि सच्ची श्रद्धांजलि केवल स्मारकों से नहीं, बल्कि समाज के हित में किए गए कार्यों से दी जाती है। आज लाखों लोगों तक पहुंची यह सेवा उसी विचारधारा का जीवंत उदाहरण है। तारा शक्ति रसोई ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब जनसेवा का संकल्प मजबूत हो तो एक पहल लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने सेवा, समर्पण और संवेदनशील नेतृत्व का जो उदाहरण प्रस्तुत किया है, वह न केवल सरोजनीनगर बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत बन चुका है। गरीबों और जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाने वाली यह पहल आने वाले वर्षों में भी जनसेवा की एक उवल मिसाल के रूप में याद की जाएगी।

विभिन्न जनपदों से सैकड़ों लोगों ने थामा कांग्रेस का दामन

➞ सताधारी दल से जनता का मोहभंग, राहुल गांधी पर बढ़ा विश्वास- अजय राय



तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता **लखनऊ**

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मंगलवार को आयोजित सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में सीतापुर, लखीमपुरखीरी, बरेली समेत विभिन्न जनपदों से आए सैकड़ों लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय और सीतापुर सांसद राकेश राठौर की मौजूदगी में लोगों ने कांग्रेस की नीतियों एवं शीर्ष नेतृत्व पर भरोसा जताया। सदस्यता

ग्रहण करने वालों में प्रधान रविन्द्र राठौर, जिला पंचायत सदस्य राममूर्ति राठौर, फूल सिंह, राजा राम साहू, सुखवीर गुर्जर, प्रेमशंकर राठौर, प्रधान संतोष कुमार, पूर्व बीडीसी सदस्य राम प्रकाश एवं बालक राम सहित बड़ी संख्या में विभिन्न वर्गों के लोग शामिल रहे। अजय राय ने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों का कांग्रेस से जुड़ना इस बात का संकेत है कि जनता का भाजपा सरकार से मोहभंग हो चुका है और राहुल गांधी के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने

नोटबंदी, जीएसटी, बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल, गैस एवं दवाइयों के दामों में वृद्धि को केंद्र सरकार की फिलतला बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पहले ही आर्थिक संकट की चेतावनी दे चुके थे, जो अब सच साबित हो रही है। महंगाी में दलित बालिका से दुकर्म की घटना का उल्लेख करते हुए अजय राय ने कहा कि आवाज उठाने पर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया, लेकिन कांग्रेस अन्याय के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी। इस अवसर पर सांसद राकेश राठौर ने भी कार्यकर्ताओं से

कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक सोहेल अख्तर, सेवादल प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रमोद पाण्डेय तथा अरुणेश यादव सहित कई नेता मौजूद रहे। इसी दौरान ज्येश् माह के छठवें बड़े मंगल पर अजय राय ने राजधानी में आयोजित सुंदरकाण्ड पाठ एवं भंडारों में शामिल होकर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की तथा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

प्रान्तीय सिविल सेवा के अधिकारियों ने उपसिफस का परिभ्रमण किया, जिज्ञासा ही जीवन है- डॉ जी के गोस्वामी



तकनीकी दक्षता आज निपुण कर रहा है। उन्होंने साध्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी केस में साक्ष्य ही अपराधी को सजा तक पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि अमी आप लोगों का

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता **लखनऊ**

सरोजनी नगर। उत्तर उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस लखनऊ में आज डॉ राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी में प्रशिक्षणार्थ प्रान्तीय सिविल सेवा (स्टाफ एवं रजिस्ट्रेशन विभाग, राज्य कर विभाग तथा कोषागार विभाग) के 48 अधिकारियों ने परिभ्रमण किया। जिन्हें संस्थान के विषय विशेषज्ञों द्वारा साइबर एवं फोरेंसिक विषयों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। प्रशिक्षु अधिकारियों ने ड्रोन तथा डीजल लैंब के कार्य और बारिकियों को भी समझा। इस अवसर पर संस्थापक निदेशक डॉ जी.के. गोस्वामी ने समागार में उपस्थित समस्त अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह संस्थान वर्तमान में साइबर सुरक्षा तथा फोरेंसिक संस्थानों में विभिन्न संस्थानों का

प्रशिक्षण का काल है जितना जिज्ञासु होंगे उतना ही नई-नई चीजों को सीख पायेंगे क्योंकि जिज्ञासा ही जीवन है। उन्होंने कहा कि साइबर युग में अपराध के आयाम बदल रहे हैं पहले फिजीकल दुनिया में अपराध होते थे लेकिन अब डिजिटल दुनिया में अपराध हो रहे है ऐसे में तकनीक के बारे में हम सभी को अधिक से अधिक जानकारी रखनी होगी। कार्यक्रम के अंत में उप निदेशक श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव ने समागार में उपस्थित समस्त अधिकारियों का अभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी श्री संतोष तिवारी ने किया। इस अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक श्री हेमराज मीना, उप निदेशक श्री जयदीप मुखर्जी , अतुल यादव, फेकल्टी डॉ0 मनीष राय, डॉ पलक, उप निरीक्षक आर श्री वीलेन्द्र सिंह एवं कार्तिकेय सहित अन्य उपस्थित रहे।

घटनाओं के खुलासे में भी सहायता मिलती है। कार्यक्रम में मौजूद एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने कहा कि यह चौकी अशोक लेलैंड के सहयोग से तैयार की गई है और इसके निर्माण में स्थानीय लोगों का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा है। उन्होंने सम्मानित जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र में साइबर अपराध, ट्रैफिक नियंत्रण एवं अवैध अतिक्रमण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया गया है। उन्होंने बताया कि पहले सरोजनीनगर क्षेत्र में 38 घटनाओं का रिकॉर्ड था, जिसे घटाकर अब लगभग 3 तक लाया गया है। यह पुलिस और जनता के सहयोग का परिणाम है। एसीपी ने कहा कि अवैध अतिक्रमण हटाने और इलीगल कट बंद कराने से ट्रैफिक व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है। साथ ही उन्होंने लोगों से अपने प्रतिष्ठानों एवं घरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील करते हुए कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में आम जनता की भागीदारी भी बेहद जरूरी है। इस अवसर पर एडीएम अंकित शुक्ला, एसीपी गुसाईगंज, प्रभारी निरीक्षक राजदेव राम, प्रभारी निरीक्षक कृष्णा नगर पी.के. सिंह, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष संजय सिंह चौहान, पार्षद एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कथवासियों में नई पुलिस चौकी को लेकर उत्साह एवं सुरक्षा का विश्वास साफ दिखाई दिया।

गोमती नगर में दिव्यांग, महिला, वरिष्ठ एवं वंचितजनो ने किया जल योग का भव्य प्रदर्शन

➞ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले जगदम्बा योग वेलफेयर सोसाइटी का अनूठा आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता **लखनऊ**

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 09 जून को जगदम्बा योग वेलफेयर सोसाइटी ने गोमती नगर के विनय खंड, लखनऊ में जल योग प्रदर्शन आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के उन वर्गों को आरोग्य और आत्मविश्वास से जोड़ना था जो अक्सर मुख्यधारा से छूट जाते हैं। कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण समाज के दिव्यांग जन, वरिष्ठ जन, मातृशक्ति (महिलाएं) एवं वंचित समाज के साधक रहे, जिन्होंने जल की तरलता के बीच अद्भुत शारीरिक संतुलन, एकाग्रता और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए जल योग के विभिन्न जटिल आसनों का भव्य प्रदर्शन किया। जल योग प्रशिक्षिका रोमा हेमवानी ने जल योग नृत्य भी प्रस्तुत किया। रोमा हेमवानी ने बताया कि जल की सीम्यता और संजीवनी शक्ति दिव्यांगों, महिलाओं,

कहा कि भारतीय संस्कृति के अंत्योदय भाव को अपनाते हुए संस्था भविष्य में भी निःशुल्क आरोग्यता का प्रयास जारी रखेगी। इस अवसर पर प्रसिद्ध मंदिर हनुमत धाम के महाराज परम पूज्य रामसेवक दास जी उपस्थित थे जिन्होंने बताया कि योग हमारे शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक अंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है इसके अतिरिक्त लखनऊ विश्वविद्यालय की

बच्चों और बुजुर्गों को शारीरिक-मानसिक बल देती है। जल में कठिन आसन भी सहज हो जाते हैं, जिससे स्वास्थ्य में सुधार होता है। उन्होंने

प्रोफेसर इशिता अरोड़ा और अनेक योग प्रेमी और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिन्होंने इस अनूठे सामाजिक प्रयास की सराहना की।

समाचार

कुत्ता भौंकने के विवाद में नाबालिक दुकानदार का पीछ कर युवकों ने पीटा

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

आलमबाग। आशियाना इलाके के सेक्टर एच स्थित अन्नपूर्णा कालेक्स में दुकान संचालित करने वाले एक नाबालिक को कुछ दबंगों ने पीछ कर जमकर पिटाई कर दिए। आशियाना के सेक्टर एच निवासी 16 वर्षीय अनादी सोनी के अनुसार उसकी दुकान अन्नपूर्णा कालेक्स में है उनकी दुकान के पड़ोस में ही दुकान पर काम करने वाली मेड ऋतु से 17 मई को दुकान के पास बैठे कुत्ता भौंकने को लेकर विवाद हो गया था जिसकी शिकायत उसने पुलिस चौकी पर किया था इस घटना के बाद से ही लगातार दुकान से घर तक उसका पीछा किया जा रहा था। आरोप है कि तीन दिन पूर्व दोपहर करीब 1 बजे वह अपनी दुकान का सामान लेकर वापस अपनी दुकान लौट रहा था तभी दुकान से कुछ दूरी पूर्व चार युवकों ने मिलकर उसकी पिटाई कर दिए जिससे उसका सर फट गया। आशियाना इन्स्पेक्टर छत्रपाल सिंह ने बताया कि पीड़ित किशोर ने सोमवार को आशियाना थाने पर पहुंच महिला और चार अज्ञात के खिलाफ शिकायत किया है किशोर की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही किया जा रहा है।

सिविल पुलिस भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, थानाध्यक्ष ने की सघन चेकिंग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

विध्याचल, मिर्जापुर। मंगलवार को यूपी सिविल पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन राजकीय बालिका इंटर कॉलेज शिवपुर विध्याचल केंद्र पर परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। सुबह पहली पाली में विध्याचल थानाध्यक्ष अविनाश प्रकाश राय पुलिस फोर्स के साथ केंद्र पर मौजूद रहे। उन्होंने अभ्यर्थियों की गेट पर सघन चेकिंग करवाई। प्रवेश से पहले एडमिट कार्ड, पहचान पत्र और सामान की बारीकी से जांच की गई। थानाध्यक्ष ने केंद्र के अंदर और बाहर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। परीक्षा को नकलविहीन और बिना किसी अवरोध के सुकशल संपन्न कराने के लिए पुलिस मुस्तैद रही। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो, इसके लिए लगातार निगरानी की गई। परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों ने व्यवस्था पर संतोष जताया। प्रशासन और पुलिस के सहयोग से दोनों पालियों की परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में पूरी हुई।

पंकज चौधरी आज जायेंगे वाराणसी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी 10 जून को वाराणसी के प्रवास पर रहेंगे।श्री चौधरी सायं 4:30 बजे काशी अनाथालय, लहुरावीर, वाराणसी में अनाथ बच्चों को वस्त्र व फ्म वितरण कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे जबकि सायं 5:30 बजे बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन कर महाआरती में भाग लेंगे।

राष्ट्रीय लोकदल की प्रदेश कार्यकारिणी मंग

लखनऊ। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर राष्ट्रीय लोकदल के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने की।बैठक में संगठनात्मक विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। निर्णय लिया गया कि उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय लोकदल की वर्तमान प्रदेश कार्यसमिति को प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय को छोड़कर भंग किया जाता है। निर्णय लिया गया कि प्रदेश संगठन को और अधिक प्रभावी, सक्रिय एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शीघ्र ही नई प्रदेश कार्यसमिति का गठन किया जाएगा। राष्ट्रीय लोकदल के केंद्रीय कार्यालय के सचिव चौधरी समरपाल सिंह ने यह जानकारी प्रदान की।

केंद्रीय कृषि मंत्री की अध्यक्षता में हुई ववुअल मीटिंग

लखनऊ। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय महत्वपूर्ण ववुअल बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोहन ने विशेष रूप से सहभागिता की। बैठक के दौरान ग्रामीण विकास से जुड़े कई दूरगामी और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। निर्णय लिया गया कि वर्तमान में चल रही मनरेगा योजना को 30 जून से समाप्त माना जाएगा। इसके स्थान पर आगामी 1 जुलाई से पूरे देश में नई रजी राम जी योजनाश लागू की जाएगी। इस नई योजना के सुचारु क्रियान्वयन हेतु उत्तर प्रदेश को प्रथम किस्त के रूप में 9,741.21 करोड़ की भारी-भरकम राशि आवंटित कर दी गई है। व्यवस्था परिवर्तन के दौरान किसी भी श्रमिक का अहित नहीं होगा। मनरेगा मजदूर पूर्व की भाँति ही अनुराध कर करते रहेंगे और उनका भुगतान भी पूर्व निर्धारित व्यवस्था के अनुसार ही किया जाता रहेगा।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोहन ने बैठक में शामिल अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि मनरेगा मजदूरों के शत प्रतिशत केवाईसी के लक्ष्य को तत्काल प्रभाव से पूर्ण किया जाए। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि श्रमिकों की मजदूरी के भुगतान में किसी भी स्तर पर कोताही महसूस नहीं की जाएगी। साथ ही, योजना के सुचारु संचालन के लिए अधिसूचना संबंधी प्रक्रियाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। बैठक को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोहन ने कहा किसशक्त भारत के निर्माण के लिए सफाई गाँव का होना बेहद अनिवार्य है। अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर बदलने के लिए युद्धस्तर पर कार्य करें। ग्रामीण स्तर पर हर प्रकार की आधुनिक सुविधाओं का लाभ आम जनमानस तक पहुँचना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का विजन देश के हर गाँव को सुविधायुक्त और आत्मनिर्भर बनाना है, और उत्तर प्रदेश सरकार इस विजन को धरातल पर उतारने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

संपादकीय

अन्नामलाई अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने के प्रयास में

तमिलनाडु में भाजपा के पूर्व प्रमुख के. अन्नामलाई ने इस सप्ताह अपने राजनीतिक भविष्य को आकार देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए, जिनमें दिल्ली में शीर्ष भाजपा नेताओं के साथ बैठक और पार्टी से अपने इस्तीफे की घोषणा करना शामिल है। इसका उद्देश्य उनकी राजनीतिक छवि को ऊपर उठाना और पाठकों को उनकी बदलती रणनीति के साथ जोड़े रखना है। लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए, अन्नामलाई की अपनी नई पहल के लिए बड़ी योजनाएं हैं। दिल्ली में प्रमुख भाजपा नेताओं के साथ उनकी बैठकों ने लोगों का ध्यान आकष्यत किया है, खासकर इसलिए क्योंकि वह अपनी राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं, विशेष रूप से फ्लिम स्टार विजय की हालिया जीत के बाद, जिसने उन्हें नए अवसर तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया है। अन्नामलाई इस कदम को अपने सार्वजनिक जीवन का अन्नाम चरण मानते हैं। वह खुद को टी.वी.के. के मुख्य चुनौतीकर्ता के रूप में देखा जाना चाहते हैं। अन्नामलाई हमेशा से महत्वाकांक्षी रहे हैं और उन्होंने खुद को सत्ताधारी पार्टी के नेता के खिलाफ खड़ा किया है। अन्नामलाई की पृष्ठभूमि मजबूत है, क्योंकि उन्होंने 2011 में भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) ज्वाइन की थी। कर्नाटक पुलिस में उनके काम ने उन्हें सम्मान दिलाया और उनकी सार्वजनिक छवि में सुधार किया। हालांकि, 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवार सूची से उनकी हालिया अनुपस्थिति ने उनके समर्थकों को उनके भविष्य पर सवाल उठाने के लिए मजबूर कर दिया है। जटिल सीट-बंटवारे की व्यवस्था और पार्टी रणनीतियों ने कई लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि वह आगे क्या करेंगे। अन्नामलाई इस बात से नाराज थे कि उन्हें राज्य भाजपा प्रमुख के पद से हटा दिया गया था। तमिलनाडु का राजनीतिक दृश्य बदल रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि पारंपरिक द्रविड़ मॉडल को नई वास्तविकताओं का सामना करना पड़ा है। अन्नामलाई अपने नए आंदोलन के वैचारिक अग्रदूत के रूप में कलाम को चुनकर राजनीतिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहते हैं। कलाम के जीवन और उपलब्धियों को उजागर करके, अन्नामलाई आकांक्षा और एकता का संदेश देना चाहते हैं, जो राज्य के लिए एक नई राजनीतिक शब्दावली पेश कर सकता है। 2018 में, मानसरोवर की एक महत्वपूर्ण यात्रा के बाद, उन्होंने राजनीति में अभिनेता रजनीकांत का समर्थन करने के लिए पुलिस अधिकारी के रूप में अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया। हालांकि, एक साल के अवलोकन के बाद, उन्होंने पाया कि रजनीकांत राजनीति में प्रवेश करने के बारे में अनिश्चित थे। भाजपा ने अक्सर खुद को तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के बाद दूसरे स्थान पर देखा है। अन्नामलाई एक साहसिक नया दृष्टिकोण अपनाना चाहते थे। उन्होंने सार्वजनिक रूप से द्रमुक की शासन व्यवस्था और भ्रष्टाचार के लिए आलोचना की। उन्होंने अन्नाद्रमुक को प्रोत्साहित किया कि वह भाजपा के साथ गठबंधन करें, न कि इसके विपरीत। उन्होंने अन्नाद्रमुक प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ई. पलानीस्वामी को नाराज कर दिया, जिन्होंने जोर देकर कहा कि वह 2024 के चुनावों से पहले अन्नामलाई के साथ कोई व्यवहार नहीं करना चाहते थे। भाजपा ने उन्हें नैनार नागंद्रन से बदल दिया। अन्नामलाई का नेतृत्व आक्रामक, एकल राजनीति की शैली द्वारा परिभाषित था। उनके नेतृत्व में, राज्य भाजपा एक छोटी पार्टी से, जो अन्नाद्रमुक पर निर्भर थी, एक मजबूत तीसरी ताकत में बदल गई। उन्होंने 'एन मान, एन मक्कल' (मेरी मिट्टी, मेरे लोग) पदयात्रा जैसे हाई-प्रोफ़ाइल अभियानों का नेतृत्व किया, जो सभी 234 निर्वाचन क्षेत्रों तक पहुंचे। परिणामस्वरूप, पार्टी का वोट शेयर 2019 में सिर्फ 3.6 प्रतिशत से बढ़कर 2024 के लोकसभा चुनावों में 11 प्रतिशत से अधिक हो गया। अन्नामलाई ने सत्ताधारी द्रमुक पर रोज हमले शुरू किए, भ्रष्टाचार के आरोपों को उजागर किया और पेरियारवादी विचारधाराओं को चुनौती दी। इस टकरावपूर्ण दृष्टिकोण ने क्षेत्रीय नेताओं को भाजपा को अधिक गंभीरता से लेने के लिए मजबूर किया लेकिन इसने एन.डी.ए. गठबंधन, विशेष रूप से अन्नाद्रमुक के साथ संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया। राष्ट्रीय पार्टी छोड़ने के बाद, अन्नामलाई ने तमिलनाडु में एक नया राजनीतिक आख्यान तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें द्रमुक और अन्नाद्रमुक से स्वतंत्र युवा, ईमानदार नेताओं के विकास पर जोर दिया गया। जब से नैनार नागंद्रन राज्य अध्यक्ष बने हैं, अन्नामलाई ज्यादातर सुरिच्यों से दूर रहे हैं।

एक थोपे युद्ध के 100 दिन

ईरान युद्ध के 100 दिन बीत चुके हैं। अब यह अनचाहा युद्ध बनता जा रहा है। न तो अमरीका जीत का दावा कर सकता है और न ही ईरान को आत्मसमर्पण के लिए विवश किया जा सका है। उसके भी विनाशक पलटवार जारी हैं। यह ऐसा युद्ध है, जिससे अमरीका और ईरान अब बाहर निकलना और एक साझा समझौता करना चाहते हैं, लेकिन जिद और महत्वाकांक्षाएं रोड़े अटक रही हैं। यह ऐसा युद्ध है, जिसमें दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को हिला कर रख दिया है, महामंदी के आकलन किए जा रहे हैं, 146 देशों में तेल-गैस-खाद के संकट गहराते जा रहे हैं और समुद्री स्पलाइं चैन का एक महत्वपूर्ण मार्ग लगभग बंद है। नतीजतन विश्व आर्थिक को 474 लाख करोड़ रुपए की चोट लग चुकी है। यह विभिन्न एजेंसियों के आकलन के निष्कर्ष हैं। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने चेताया है कि यदि ऊर्जा-बाधा और संकट जारी रहे, तो वैश्विक जीडीपी और रोजगार को गंभीर झटके लगेंगे। विश्व बैंक और आईएमएफ के आकलन पहले ही सामने आ चुके हैं कि वैश्विक जीडीपी को विकास दर 2 फीसदी तक लुढ़क सकती है। बीते 80 साल में, लगभग द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, यह पहला युद्ध है, जिसमें 14 देश प्रत्यक्ष-प्रोक्ष रूप से जुड़े हैं। यह युद्ध ऐसा रहा है, जिसमें ईरान के सुप्रीम लीडर की हत्या कर दी गई। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पहली बार बंद हुआ है। खामेनेई समेत करीब 50 लाख के ऐप हैक किए जा चुके हैं। युद्ध में करीब 7000 लोग मारे जा चुके हैं और करीब 55,000 घायल बताए गए हैं। ईरान के करीब 32 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। लेबनान में 10 लाख से अधिक लोग विस्थापित बताए गए हैं। ऐसा नहीं है कि अमरीका और इजरायल के नुकसान नहीं हुए हैं। अमरीका के सैन्य खर्च, महंगाई और अप्रत्यक्ष प्रभाव आदि पर 100 लाख करोड़ रुपए से अधिक की चपत लग चुकी है। आज अमरीका पर 39 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है, जबकि उसकी कुल अर्थव्यवस्था 32 ट्रिलियन डॉलर से कुछ अधिक की है। ईरान के जीडीपी और बुनियादी ढांचे को लेकर 28.5 लाख करोड़ रुपए और खाड़ी देशों को ऊर्जा-ढांचों को ध्वस्त करने या जला देने के कारण 5.54 लाख करोड़ रुपए के नुकसान आंके गए हैं। वैश्विक जीडीपी पर 339 लाख करोड़ रुपए का भारी नुकसान माना जा रहा है। इन नुकसानों और विपरीत, ढहती आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद और 100 दिनों के टकराव, तनाव के बाद भी युद्ध खत्म होने के आसार दिख नहीं रहे हैं। बेशक बीते 60 दिनों से युद्धविराम का ढोंग किया जा रहा है, लेकिन युद्ध रुक-रुक कर जारी रहा है। मिसाइल, ड्रोन के हमले जारी हैं, हवाई हमले भी किए जा रहे हैं, कहीं विस्फोट हैं, तो कहीं आग की ऊंची-ऊंची लपटों के साथ धुएं के गहरे गुबार हैं। यदि यह अनचाहा, थोपा हुआ, युद्ध महसूस किया जा रहा है, तो समझौते में किसके अहंकार आये आ रहे हैं? भारत पर ईरान युद्ध के प्रभावों को लेकर हम विश्लेषण करते रहे हैं, लेकिन अब आम आदमी और रसोई गैस के संदर्भ में विश्लेषण करें, तो कई दरारें सामने आ रही हैं। भारत में रसोई की एलपीजी के उपभोक्ता करीब 33 करोड़ हैं। 'उज्ज्वला योजना' के 10.58 करोड़ लाभार्थी हैं।

मध्य पूर्व की व्यवस्था को

पूरी तरह बदलने वाले एक

विनाशकारी संघर्ष के ठीक

100 दिन पूरे होने पर,

अमेरिका की मध्यस्थता में

हुआ एक नाजुक

संघर्षविराम उस समय

हिंसक रूप से ध्वस्त हो

गया जब इजरायली लड़ाकू

विमानों ने ईरानी क्षेत्र के

भीतर गहराई तक हमले

किए

”

जनसांख्यिकी परिवर्तन आयोग या हिंदू

राज की ओर लंबी छलांग!

राजेंद्र शर्मा

मोदीशाही के इरादों को समझने के लिए, क्रोनोलॉजी समझना कितना जरूरी है, यह अमित शाह खुद अपने मुंह से बता चुके हैं। सी जनसांख्यिकी परिवर्तन आयोग का मकसद समझने के लिए उसके आगे-पीछे की क्रोनोलॉजी से शुरू करना उपयोगी रहेगा। सभी जानते हैं कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस भाषण से हुई थी। लाल किले से अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कथित श्चुसपैटश से देश के लिए भारी खतरा बताते हुए, ऐसे आयोग के गठन के जरूरी होने का ऐलान किया था। इसकी भी एकदम तात्कालिक क्रोनोलॉजी तो यही थी कि 2025 के अप्रैल के आखिर में पहलगाम में आतंकी हमले ने जब जम्मू-कश्मीर में करीब पांच साल से जारी सीधे केंद्रीय सरकार में सब कुछ सामान्य हो जाने के झूठे प्रचार की विदियां उड़ा दीं, उसके फ़ैरन बाद ध्यान बंटाने के लिए संघ परिवार की ओर से देश के कई हिस्सों में आम तौर पर मुसलमानों और खासतौर पर कश्मीरियों को निशाना बनाया गया था। और पहलगाम के जवाब के नाम पर मई

के शुरू में छेड़े गए आपरेशन सिंदूर के चवानक रोके जाने के बाद, जब ध्यान बंटाने की जरूरत और ज्यादा बढ़ी, देश के विभिन्न हिस्सों में और सबसे बढ़कर उत्तरी भारत में कथित बांग्लादेशी घुसपैठियों की पकड़-धकड़ के नाम पर, बांग्लाभाषी मजदूरों के खिलाफ सरकारी अभियान छेड़ दिया गया। इस अभियान में संभवतरू पहली बार, पुलिस-प्रशासन द्वारा श्चुसपैटियाश् बताए जा रहे लोगों को, बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के सीमा के विभिन्न हिस्सों से बांग्लादेश में धकेलने की कार्रवाई भी की गयी, जिसमें कुछ मामलों में तो नौकाओं से ले जाकर समुद्र में धकेल आने की कार्रवाई भी शामिल थी। यह सब किस कदर मनमाना था, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कम से कम दो मामलों में, उच्च न्यायालयों द्वारा भारतीय नागरिक ठहराए जाने और देश में वापस लाने का आदेश दिए जाने के बाद, एक गर्भवती महिला और एक अन्य बंगाली मुसलमान को बांग्लादेश से वापस भी लाना पड़ा था।

यानी यह वह समय है जब मोदीशाही औपचारिक रूप से देश के पैमाने पर कथित घुसपैटिया विरोधी मुहिम छेड़ती है। बेशक, घुसपैटियों का खतरा किसी की किसी रूप में हमेशा से आरएसएस के प्रचार का एक केंद्रीय मुद्दा बना रहा है। बहरहाल, अपने पहले कार्यकाल के आखिर तक आते-आते और खासतौर पर उ्तर प्रदेश समेत उत्तरी भारत के भाजपा-शासित राज्यों में गोरक्षा-लव

जेहाद-धर्मातरण विरोधी कानून-समान नागरिक सहिता आदि की मुस्लिम-विरोधी पुकारों की आजमाइश से, मोदीशाही इस नतीजे पर पहुंच चुकी थी कि आक्रामक मुस्लिमविरोधी पहचान ही उसकी नैया पार लगाएगी। दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही, संवैधानिक छल-कपट का सहारा लेकर, पहले आरएसएस की बहुत पुरानी मांग को पूरा करते हुए, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा ही नहीं राज्य का दर्जा भी खत्म कर, देश के इकलौते मुस्लिम बहुल राज्य को सजा देने के जरिए, राज्य की नजरों में मुसलमानों का ही दर्जा कमतर करने का संदेश दिया गया। और इसके फ़ैरन बाद सीएए लाकर, मुस्लिम और गैर-मुस्लिम अल्प-कश्मीरों में अंतर करने जरिए, मुसलमानों के पराया होने के ऐलान को भारतीय नागरिक की परिभाषा में भी रोप दिया गया। अब परिभाषा से ही घुसपैटिया कृजिस्सने कि खतरा थाकू मुसलमान ही हो सकता था। हिंदू तथा अन्य धर्म के अवेध प्रवासियों के लिए तो भारतीय नागरिकता आसान बनाकर, उनका स्वागत किया जाना था! यही से आरएसएस के घुसपैट के पुराने राग को वर्तमान शासन की विचारधारा के रूप में नयी ऊंचाई पर पहुंचाने की शुरुआत होती है। सीएए के व्यापक जनतांत्रिक विरोध को मोदीशाही अपने दमनत्र के सहारे तो पूरी तरह से नहीं कुचल सकी, पर उसका जवाब उसने मुस्लिमविरोधी आक्रामकता बढ़ाने के जरिए दिया। खासतौर पर बंगाल में 2021 के विधानसभा

चुनाव के समय, गृहमंत्री अमित शाह ने न सिर्फ चर्चित तरीके से अपने राज की कोनोलॉजी समझायी कि कैसे पहले सीएए से मुसलमानों को नागरिकता अधिकार से परे कर के घुसपैटिया बनाया जाएगा और फ़िर, हिंदुओं आदि अन्य को नागरिकता दी जाएगी, बल्कि उन्होंने कहा कि घुसपैटिये श्दमीक हैं, उन्हें चुन-चुनकर, एक-एक को निकाल बाहर करेंगे।श् बंगाल से ही इस घुसपैटिया राग को संघ-भाजपा के प्रचार की मुख्य थीम बनाने की शुरुआत हुई, जिसे 2024 के आम चुनाव तक आते-आते मोदीशाही ने देश के पैमाने पर प्रचार की अपनी एक मुख्य थीम बना लिया। बेशक, इस आम चुनाव में मोदी खुद खासतौर पर मतदान के शुरुआती चरणों में बिहार, बंगाल, झारखंड में घुसपैटियों के खतरे के राग से शुरुआत करने के बाद, बाजी हाथ से निकलती नजर आने की हताशा में लब्द ही, विरोधी श्मंगलसूत्र छीन लेंगे और ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों (मुसलमानों) के दे देगेश् पर पहुंच गए, जबकि आदित्यानाथ जैसे उनकी पार्टी के अन्य प्रमुख प्रचारक शब्दोंगे तो कटोगेश् के अपने नारों के साथ, सीधे न्मुस्लिमविरोधी नारों से शुरुआत ही कर रहे थे। इसके बाद भी जब सत्ता संघ-भाजपा के हाथ से जाती-जाती बची, एक ओर चुनाव आयोग पर पूरी तरह से कब्जा करने के जरिए, चुनावों को ही मैनिपुलेट करने के मुकम्मल इंतजामात किए गए।

इंडिया की बैठक से निकली नयी राह

विपक्षी दलों के गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंव्लूसिव आलायंस यानी इंडिया की बैठक सोमवार आठ जून को दिल्ली में आयोजित की गई, जिसमें 25 दलों ने हिस्सा लिया। यह बैठक ऐसे वक्त हुई है जब मोदी सरकार अपने सबसे कठिन समय से गुजर रही है और साथ ही राहुल गांधी से बुरी तरह डरी हुई है। राहुल गांधी लगातार जनहित के मुद्दे सरकार पर सामने उठा रहे हैं। लोकतंत्र और संविधान के साथ-साथ देश की शिक्षा से लेकर पर्यावरण तक सब कुछ बचाने के लिए आवाज उठा रहे हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी न राहुल गांधी की चेतावनियों को सुन रहे हैं, न जनता के दैद को। ऐसे में राहुल गांधी ने बीते दिनों यह कहकर तहलका मचा दिया कि मोदी सरकार एक साल के भीतर चली जाएगी। नेता प्रतिपक्ष ने बाकायदा कहा कि उन्हें सरकारी एजेंसियों और संस्थानों में बैठे लोग ही अपनी परेशानियां और सरकार की गलतियां बता रहे हैं। राहुल गांधी के

मुताबिक सारा सिस्टम नरेन्द्र मोदी की पकड़ से बाहर हो चुका है। वैसे भी राहुल गांधी मोदी सरकार और भाजपा के हमलों के बावजूद झुकते या दबते नहीं हैं, तो उन पर शाब्दिक हमले होते ही रहते हैं। इसलिए इंडिया की बैठक से पहले ही दिल्ली के कई गोलचक्रों पर पोस्टर लग गए जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ शरद पवार, ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल और एम के स्टालिन के बयान लिखे गए थे। ऐसे पोस्टर किसने लगाए यह समझना कठिन नहीं है, क्योंकि राज्य और केंद्र दोनों में भाजपा की सरकार है। एनडीएमसी पर भी उसी का कब्जा है। तो भाजपा की सहमति के बिना राहुल विरोधी पोस्टर नहीं लग सकते। इन पोस्टर्स पर किसी का नाम नहीं लिखा है, लेकिन इनसे यह जरूर जाहिर हो गया कि राहुल गांधी और इंडिया की एकजुटता दोनों से भाजपा डरी हुई है। गौरतलब है कि सोमवार की बैठक से पहले रविवार से ही देश भर के भाजपा नेताओं और मंत्रियों ने

इंडिया गठबंधन के खिलाफ बयान देने शुरू कर दिए थे। बिहार में मंत्री संतोष सुमन ने कहा कि सारे दल जल्द ही एनडीएम में आ जाएंगे, तो बिहार के ही दूसरे मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि इश्टियाश् गठबंधन में जब तक राहुल गांधी रहेंगे तब तक कभी सफल नहीं हो सकता है। इसलिए विपक्ष के नेताओं को सोचने का क्त आ गया है कि राहुल गांधी के साथ रहना है या अपने नाव को बचाना है। वहीं बिहार भाजपा के अध्यक्ष संजय सरावगी ने इंडिया को स्वार्थ की गठबंधन कहा, तो उत्तरप्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने दो साल पहले ही इंडिया को टूटा हुआ बता दिया और कहा कि लोग अब तीसरे विकल्प की तलाश में हैं। ऐसे देहों बयान भाजपा नेताओं के हैं, जो किसी भी तरह यह साबित करने पर तुले थे कि इंडिया का अस्तित्व है ही नहीं। लेकिन सोमवार को एक बेतर के तले जुटे 25 दलों ने यह बता दिया कि भाजपा को अब और ज्यादा डरने

की जरूरत है। दरअसल सोमवार बैठक के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक प्रेस कांफ्रेंस कर पांच बिंदुओं का उल्लेख किया, जिस पर इंडिया काम करेगा, इनमें पहला मुद्दा है कि देश में वोट लूट को लेकर विपक्षी दल एक चिन्त्री देश के मुख्य न्मुस्त्रियाधीश को लिखेंगे, दूसरा मुद्दा शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग है, क्योंकि उनके कार्यकाल में नीट-सीबीएसई परीक्षा को लेकर छात्रों के साथ विश्वासघात हुआ है। तीसरा मुद्दा केंद्र सरकार एक सर्वदलीय बैठक बुलाए और अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी समेत किसानों के मुद्दे पर चर्चा करें। चौथा मुद्दा है कि इंडिया के दल हर दो महीने में मिलेंगे और इंडिया गठबंधन की अगली बैठक अगस्त में हैदराबाद में होगी और उ्वां मुद्दा यह तय हुआ कि संसद में सभी दलों के बीच समन्वय जारी रहेगा, आगामी मानसून सत्र के दौरान हर दिन सोमवार को एक बेतर के तले जुटे बैठक होगी। सभी दल इन बिंदुओं पर सहमत हुए हैं। सोमवार की

बैठक और इसमें आगे बढ़ने की रणनीति दोनों के जरिए 25 विपक्षी नेताओं ने यह बता दिया है कि देश को विपक्षमुक्त बनाने का भाजपा का सपना पूरा नहीं होने वाला, न ही विपक्ष पिछली बार की तरह बिखरा और कमजोर है। इंडिया गठबंधन की बैठक में डीएमके क्यों नहीं शामिल हुआ, आम आदमी पार्टी ने क्यों किनारा किया, यही सवाल भाजपा समर्थित मीडिया सोमवार को दिन भर उठाता रहा, क्योंकि उसे भी यह दिख रहा था कि विधानसभा चुनावों में आपस में ही लड़ने या कुछ मुद्दों पर असहमति रखने वाले दल भी एक मंच पर भाजपा के खिलाफआ रहे हैं। यही भाजपा का सबसे बड़ा डर है। दरअसल अब देश का माहौल बदल रहा है और नरेन्द्र मोदी के गलत फैसलों का खामियाजा भुगतती जनता भी अब आवाज उठाने लगी है। 2016 में नोटबंदी के वक्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सत्ता संभालते दो साल ही हुए थे, इसलिए जनता ने उन पर भरोसा भी किया

और नोटबंदी की गड़बड़ी के बावजूद हालात सुधारने के लिए वक्त दिया। फ़िर 2020 में लगे लॉकडाउन की ज्यादाती भी जनता ने सह ली, क्योंकि कोरोना महामारी की चपेट में पूरी दुनिया आई हुई थी। लेकिन इस समय सरकार के फैसलों से जो हाहाकार मचा है, उसका कोई तार्किक कारण नरेन्द्र मोदी नहीं दे पा रहे हैं। उनके बारह सालों के शासन के बावजूद देश से न महंगाई गई, न बेरोजगारी खत्म हुई। बल्कि अब तो रोजाना तेल और गैस के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। सरकार इसके लिए मध्यपूर्व में छिड़ी जंग को बहाने की तरह पेश कर रही है। नरेन्द्र मोदी जनता से किफ़ायत बरतने की अपील कर रहे हैं, लेकिन उनकी अपनी ही सरकार की फ़िज़ूलखर्ची में कहीं कोई कमी नहीं आ रही है। साफ़ है कि जनता के सामने मोदी सरकार का देश को बेहतर बनाने का दावा खोखला साबित हो चुका है। ऐसे में इंडिया गठबंधन की बैठक से भाजपा को डर लग रहा है।



वाणिज्यिक जहाजों को सुरक्षा देने (एस्कॉर्ट करने) के लिए मजबूर होना पड़ा है, ईरानी सैन्य रडार और ड्रोन ठिकानों पर सीधे अमेरिकी मिसाइल हमले हुए हैं, और इसके बाद पूरे क्षेत्र में पंक्षिमी ठिकानों पर ईरान द्वारा जवाबी हमले किए गए हैं- जिसमें कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक विनाशकारी ड्रोन और रॉकेट हमला भी शामिल है। फ़िर भी, ठीक उसी समय जब 8 अप्रैल को हुआ एक नाजुक युद्धविराम एक कूटनीतिक निकास का रास्ता दिखाता हुआ प्रतीत हो रहा था, पिछले 48 घंटों में घटनाओं के एक नाटकीय क्रम ने इस क्षेत्र को एक पूर्ण, अनियंत्रित क्षेत्रीय युद्ध के करीब

धकेल दिया है। इस ताजा तनाव के केंद्र में व्हाइट हाउस और यरुशलम के बीच बढ़ता हुआ और पूरी तरह सार्वजनिक हो चुका मतभेद है, जिसने अपने सबसे करीबी मध्य पूर्वी सहयोगी पर अमेरिकी प्रभाव की स्पष्ट सीमाओं को उजागर कर दिया है। लेबनान में बढ़ता तनाव संघर्षविराम के टूटने का तात्कालिक कारण लेबनान में शुरू हुआ, जहां अचानक हुई गोलाबारी ने हफ्तों की संवेदनशील कूटनीति को तेजी से तहस-नहस कर दिया। ईरान समर्थित हिजबुल्लाह द्वारा उत्तरी इजरायल में रॉकेटों की बौछार किए जाने के बाद, इजरायली वायुसेना ने बेरुत के दक्षिणी उपनगरों को

बढ़ावा दिए बिना अपने दबदबे को फ़िर से स्थापित करने के लिए सोची-समझी रणनीति के तहत, इस्लामिक रिवालयूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने 7 जून को जवाबी कार्रवाई करते हुए उत्तरी इजरायल के रामत डेविड एयरबेस पर लगभग दस बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जो कि ठीक वही ठिकाना था जहां से बेरुत पर हमला करने वाले इजरायली विमानों ने उड़ान भरी थी। सैन्य घटनाओं का यह विशिष्ट क्रम 48 घंटे की अवधि में डरावनी गति से सामने आया। इसकी शुरुआत उत्तरी इजरायल में हिजबुल्लाह के शुरुआती रॉकेट हमले से हुई, जिसने बेरुत में हिजबुल्लाह के गढ़ों पर इजरायल के तत्काल जवाबी हमलों को प्रेरित



मेष:- जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है। नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का एहसास होगा। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।
बृषभ:- शासन-सत्ता से जुड़े लोगों के साथ निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य पूर्ण होने के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।
मिथुन:- संबंधों में व्यवहार कुशल रहे। सामाजिक एवं मांगलिक कार्यओं में आपकी भागेदारी संभव। निकट संबंधों में अपनी अच्छी छवि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता से उत्साहित होंगे।
कर्क:- विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। नवीन आशाएं नये उत्साह का संचार करेंगी। कार्यक्षेत्र में संबंधों का भरपूर लाभ उठाएंगे।
सिंह:- अंतमरुखी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली रहेगी।
कन्या:- पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे। शिक्षा में समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन नकारात्मक चिंताओं से बोझिल होगा।
तुला:- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। पारिवारिक वातावरण में उत्साह का माहौल रहेगा। दुबियाओं का त्याग कर लक्ष्य पर केंद्रित हों।
वृश्चिक:- कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। परिजनों के भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। हस्तमुख स्वभाव से आसपास का माहौल प्रसन्न होगा।
धनु:- कठिन एवं विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा में बढ़ेगी। घरेलू दायित्वों की पूर्ति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।
मकर:- कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्देलित करेंगी। निकट संबंधों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। गैर सांस्कारिक कार्यों की आकर्षित मन पर अंकुश लगायें।
कुंभ:- कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत क्षेत्रों में संघर्ष संभव परंतु निराशावादी विचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ऊर्जा की अनुभूति होगी। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।
मीन:- नकारात्मक चिंताओ को त्याग अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी-पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनीति से जुड़े लोगों का सहयोग मिलेगा।

बथडे पार्टी से लौट रहे युवक को डंपर ने रौंदा, मौत से परिवार में मचा कोहराम

➡ अजगैन क्षेत्र में हुआ दर्दनाक हादसा, साथी गंभीर घायल, फरार चालक की तलाश में जुटी पुलिस

उन्नाव। जिले के अजगैन थाना क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, अजगैन थाना क्षेत्र के ग्राम मौली निवासी अमन (23) पुत्र जय काफ़ा सिंह उर्फ़ लाला अपने मित्र राजेंद्र के साथ बाइक से एक बथडे पार्टी में शामिल होने गया था। पार्टी समाप्त होने के बाद दोनों युवक बाइक से वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान अजगैन क्षेत्र स्थित कल्या फैक्ट्री के पास एक तेज रफ़तार डंपर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक

टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सड़क पर दूर तक घिसट गई और दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और शहगीरों ने मानवता का परिचय देते हुए दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। लेकिन अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद अमन को मृत घोषित कर दिया। वहीं उसका साथी राजेंद्र गंभीर रूप से घायल है, जिसका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही अजगैन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया, जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

सीसीटीवी फुटेज के सहारे



चालक की तलाश
पुलिस के अनुसार दुर्घटना के बाद फरार हुए डंपर और चालक की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस विभिन्न गांवों पर लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच कर रही है ताकि वाहन का नंबर और चालक

की पहचान की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी चालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

परिवार का सहरा था अमन
परिजनों ने बताया कि अमन एक

मुर्गी फार्म में काम करता था और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में महत्वपूर्ण योगदान देता था। वह अपने पांच भाइयों और दो बहनों में दूसरे नंबर पर था। उसकी असाधारक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ पड़ा है। अस्पताल में मां

सुषमा सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

ग्रामीणों में रोष, कड़ी कार्रवाई की मांग
हादसे की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और रिश्तेदार अस्पताल पहुंच गए। परिजनों और ग्रामीणों ने फरार डंपर चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि क्षेत्र में तेज रफ़तार भारी वाहनों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं, लेकिन प्रभावी नियंत्रण नहीं होने से लोगों की जान जा रही है। अजगैन थाना पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिस फरार चालक और डंपर की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

जिलाधिकारी ने की जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माणाधीन ग्रामीण पाइप पेयजल परियोजना की समीक्षा बैठक, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध कार्य के लिए निर्देश

➡ पेयजल परियोजना में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त कार्यों में तेजी लाने के लिए निर्देश

➡ चोरी की घटनाओं पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए निर्देश

अमेठी। जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रही ग्रामीण पाइप पेयजल परियोजना की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक सरवणन टी, मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू, जल निगम विभाग के अधिकारी, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि जल जीवन मिशन भारत सरकार की प्राथमिकता वाली योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक घर तक सुस्थित और शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इसके उपातंत्र जिलाधिकारी ने कार्यवाई संस्थावार परियोजना की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कार्यों की



गुणवत्ता, सामग्री की उपलब्धता, ठेकेदारों की कार्यशैली, पाइपलाइन बिछाने की तकनीकी प्रक्रिया, जलस्रोतों की स्थिति, पानी की गुणवत्ता जांच और लाभार्थियों तक जल कनेक्शन की वर्तमान स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी ली एवं संबंधित को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या कार्य में अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता

अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा जनहितकारी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाना है। बैठक में कार्यदायी संस्थाओं ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा चोरी की घटनाएं की जा रही हैं। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे मामलों में तत्काल एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। साथ ही जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि यदि उनके संज्ञान में ऐसी कोई घटना आए तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित विभाग या पुलिस को दें, ताकि अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

होटलों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की हुई सघन जांच, लोगों को किया जागरूक

औरैया ब्यूरो। पुलिस महानिदेशक अग्निशमन एवं आपात सेवा उतर प्रदेश के आदेशों के अनुपालन में जनपद औरैया में अग्नि सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत प्रभारी अग्निशमन अधिकारी ने कानपुर रोड स्थित विभिन्न होटलों एवं प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण कर वहां मौजूद अग्निशमन व्यवस्थाओं की जांच की। निरीक्षण के दौरान होटलों में स्थापित अग्निशमन यंत्रों, फायर एक्सटिंग्विशर, आपातकालीन निकास मार्गों एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों की क्रियाशीलता का परीक्षण किया गया। साथ ही यह भी देखा गया कि आग लगने जैसी आपात स्थिति में होटल प्रबंधन एवं कर्मचारी किस प्रकार त्वरित कार्रवाई कर सकते हैं। जिन स्थानों पर सुरक्षा मानकों को और बेहतर बनाए जाने की आवश्यकता पाई गई, वहां संचालकों को



आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रभारी अग्निशमन अधिकारी देशेक्ष तिवारी ने होटल संचालकों, कर्मचारियों एवं वहां मौजूद लोगों को आग लगने की घटनाओं से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अग्निशमन उपकरणों का नियमित रखरखाव एवं समय-समय पर उनकी जांच कराना बेहद आवश्यक है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में उनका प्रभावी उपयोग किया जा सके। इस दौरान लोगों को गैस रिसाव, विद्युत शॉर्ट सर्किट एवं अन्य

संभावित अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव के संबंध में भी जागरूक किया गया। साथ ही आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी, अग्निशमन विभाग को तत्काल सूचना देने तथा घबराने के बजाय सतर्कता से कार्य करने के बारे में जानकारी दी गई। अग्निशमन विभाग द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य जनपद में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा मानकों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करना है।

बदर किए गए व्यक्तियों की गतिविधियों पर पुलिस और प्रशासन की ओर से लगातार निगरानी रखी जाएगी। यदि कोई व्यक्ति आदेश की अवहेलना कर जनपद की सीमा में प्रवेश करता है तो उसके विरुद्ध तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने कहा कि प्रशासन अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है। आम नागरिकों की सुरक्षा और जनपद में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए हर आवश्यक कदम उठाया जाएगा। प्रशासन का यह संदेश स्पष्ट है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि इससे क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा और आमजन खुद को अधिक सुरक्षित महसूस करेगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

खिलाफ जारी रहेगा अभियान
जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कहा कि जनपद में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की आपराधिक या असामाजिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अपराधियों और गुंडा प्रवृत्ति के व्यक्तियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी इसी कार्रवा की कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि जिला

आस-पास 5

पीलीभीत पिता-पुत्र की तड़पकर मौत, बिजली विभाग की लापरवाही ने उजाड़ा हंसताखेलता परिवार



उसके मासूम बेटे को संभलने तक का मौका नहीं मिला और दोनों की गाड़ी के नीतर ही झुलसकर अत्यंत दर्दनाक मौत हो गई। चौख-पुकरा सुनकर जब तक आस-पास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर जमा हुए. तब तक दोनों के प्राण पखेरू उड़ चुके थे। स्थानीय लोगों ने तुरंत इस अनहोनी की सूचना पुलिस और पावर कॉर्पोरेशन को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय थाना पुलिस ने जलती हुई गाड़ी से दोनों मृतकों के शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने पंचनामा भरने की कानूनी प्रक्रिया को पूरा करते हुए दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। इस भयानक कांड

किसी भी जिम्मेदार कर्मचारी ने समय रहते सुध नहीं ली। वहीं, इस गंभीर मामले पर चौतरफा घिरेने के बाद बिजली विभाग के आला अधिकारियों ने आपनी सफाई पेश की है। अधिकारियों ने कहा कि मृत परिवार के प्रति उनकी पूरी संवेदना है। विभाग द्वारा इस पूरे घटनाक्रम की जांच के लिए एक टीम गठित की जा रही है। जांच रिपोर्ट में यदि किसी भी स्तर पर लाइनमैन या बिजली कर्मों की लापरवाही सिद्ध होती है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। फिलहाल गांव में एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात है।

भाजपा मंडल महामंत्री की पिटाई, तीन पर मुकदमा दर्ज



पर कट्टा सटा दिया और विरोध करने पर उनके साथ जमकर मारपीट की। पीड़ित ने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई और पुलिस को सूचित किया। नीरज तिवारी का आरोप है कि क्षेत्र में इन दबंगों का आतंक है और वे लगातार लोगों का उन्पीड़न करते हैं। पूर्व में शिकायत के

बस्ती। कानून-व्यवस्था को चुनौती देते हुए दबंगों द्वारा एक भाजपा नेता की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। घटना रघौली थाना क्षेत्र के टिकरी मोड़ के पास की है। पीड़ित नीरज तिवारी, जो कि भाजपा के हनुमानगंज मंडल के महामंत्री हैं, रविवार शाम बाजार से बाइक से अपने घर खगरा लौट रहे थे। तभी रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने भाजपा नेता की कनपटी

बावजूद पुलिस ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया था। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई, तो वे कार्यकर्ताओं और परिवार के साथ धरना प्रदर्शन करेंगे। प्रभारी निरीक्षक रूघौली संजय कुमार दुबे ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधारे पर मुख्य आरोपी विजय सेन, बृजेश और बिमल सिंह सहित कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को 15 वर्ष सश्रम कारावास की सजा

औरैया ब्यूरो। दिनांक 08.06.2026 न्यायालय विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) औरैया द्वारा मु0अस0 125/2020 धारा 363/366/376 भदवि0 व 3/4 पावसो एक्ट थाना कोतवाली औरैया जनपद औरैया से संबन्धित 01 अभियुक्त सुनील कुमार पुत्र ओमप्रकाश कुशवाहा निवासी कखावतू थाना कोतवाली औरैया जनपद औरैया (30प्र0) को दुष्कर्म के अपराध में 15 वर्ष सश्रम कारावास की सजा व कुल 30,000/- के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

पुरनपुर रोड नहीं तो वोट नहीं ग्रामीणों ने क्या किया धरना

रोड नहीं तो वोट नहीं ग्रामीणों ने लगाए नारे शेरपुर से बिलहरी होते हुए 94 गांव में जाने वाला रोड बिस्कुल जर्जर पड़ा है जिसको लेकर के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया कहा कि नेताओं से कई बार शिकायत भी की थी और उन्हें अवगत भी कराया गया लेकिन अभी तक इसका चौकीकरण नहीं हुआ कब के बाद 2027 के इलेक्शन में जो भी प्रत्याशी रोड बनवाएगा उसी को ही वोट दिया जाएगा।

सिविल डिफेन्स गोमती नगर डिवीज़नल वार्डन द्वारा पुलिस भर्ती परीक्षा ड्यूटी के दौरान कर्तव्यों का निर्वहान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ लखनऊ। गोमती नगर रेलवे स्टेशन पर गाजीपुर से आई महिला स्टेशन पर लगे एक्सीलेटर पर फिसल कर गिर गई जिससे उनके हाथ में गंभीर चोट आ गई हाथ काफी कट गया काफी ब्लडिंग हुई स्टेशन पर सिविल डिफेन्स वार्डन पुलिस भर्ती परीक्षा मे अन्य जनपदों से लखनऊ परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों की सेवा के लिए हेल्प डेस्क लगाए थ थे तभी डिवीजनल वार्डन नफीस अहमद में देखा कि एक महिला जिसके हाथ से खून बह रहा तभी डिवीजनल वार्डन गोमती नगर एवं उनकी टीम के अन्य वार्डन साथियों ने सहयोग कर महिला को फर्स्ट ट्रेड दिया एवं उनका सामान उठाकर स्टेशन के नीचे पहुंचने में सहयोग किया एवं उनको उनके आवास कल्याणपुर भिजवाने के लिए ऑटो पर बिठाया महिला एवं उनके पति ने सिविल डिफेंस लखनऊ का धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया घ



खारजा नहर में डूबे युवक का शव बरामद, परिवार में कोहराम



कलीनगर, पीलीभीत। दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने निकले बरेली के एक युवक की खारजा नहर में डूबने से मौत हो गई। शनिवार (6 जून) को थाना नवाबगंज के ग्राम दहिया ब्रह्म नाला से 8-9 दोस्तों का एक दल घूमने निकला था। कलीनगर क्षेत्र की खारजा नहर में नहाते समय राम बहादुर का पुत्र आकाश (उर्फ मनीष) गहरे पानी में

चला गया और तेज बहाव के कारण डूब गया। घटना के बाद स्थानीय पुलिस और एसएसबी (एसएसबी) की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। रविवार दोपहर करीब 1 बजे कड़ी मशकत के बाद टीम ने युवक का शव बरामद कर लिया। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और शव लेकर अपने गांव लौट गए।

प्रकृति पर्यावरण प्रहरी सम्मान से सम्मानित हुए पुलिस कंट्रोल रूम प्रभारी अनूप मिश्रा

महिला सशक्तिकरण, सामाजिक एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए मिला सम्मान, तीन वर्षों में लगवा चुके हैं 20 हजार से अधिक पौधे

उन्नाव। पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले जनपद के पुलिस कंट्रोल रूम प्रभारी एवं सब इंस्पेक्टर अनूप कुमार मिश्रा को प्रकृति पर्यावरण प्रहरी सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें लखनऊ में एलिस महिला प्रशिक्षण संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभिन्न नामाचीन हस्तियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण विषय पर आयोजित विशेष चर्चा में सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा ने अपने विचार



व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती गर्मी और जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के सामने गंभीर चुनौती बनकर उभर रहे हैं। इन

समस्याओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण और प्रदूषण नियंत्रण सबसे कारगर उपाय है। उन्होंने कहा कि पेड़

वातावरण में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण को शुद्ध बनाते हैं। साथ ही छाया और वाष्पोत्सर्जन की प्रक्रिया के माध्यम से आसपास के तापमान को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को प्राकृतिक एसी के रूप में जाने जाने वाले पीपल, बरगद और नीम जैसे छायादार एवं फलदार वृक्षों का अधिक से अधिक रोपण करना चाहिए तथा उनकी नियमित देखभाल भी करनी चाहिए। अनूप मिश्रा ने बताया कि जनसहयोग से

संचालित ग्रीन उन्नाव अभियान के तहत पिछले तीन वर्षों में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 20 हजार से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। अभियान का उद्देश्य न केवल हरित क्षेत्र बढ़ाना है, बल्कि लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना भी है। सम्मान मिलने पर अनूप मिश्रा ने इसे जनपदवासियों और अभियान से जुड़े सभी सहयोगियों की सामूहिक उपलब्धि बताया हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। यदि सभी लोग मिलकर वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आएंगे तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सकता है।



योग प्रशिक्षिका सुश्री प्रीति ने योगाभ्यास के दौरान सभी विधि एवं सावधानियों की जानकारी देते हुए बताया कि नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है तथा मानसिक तनाव भी कम होता है। जिला खेल कार्यालय द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार अगला योग प्रशिक्षण सत्र 9 जून 2026 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्पोर्ट्स स्टेडियम, उन्नाव में सायं 5 बजे आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 18 जून को प्रातः 6 बजे विशेष योग प्रशिक्षण सत्र का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें योग

दिवस के मुख्य कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। योग शक्ति साधना केंद्र की प्रशिक्षित योग शिक्षिका सुश्री प्रीति के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को योगाभ्यास, ध्यान, प्राणायाम तथा दैनिक जीवन में योग के महत्व की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उपाय भी बताए जाएंगे। जिला खेल कार्यालय ने जनपद के खिलाड़ियों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं नागरिकों से अपील की है कि वे इन निःशुल्क योग प्रशिक्षण शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और योग को अपनाकर स्वस्थ एवं निरोग जीवन की दिशा में कदम बढ़ाएं। अधिकारियों का कहना है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को जगन्मातादेवी का उत्सव बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

कागज में मरे शख्स को पुलिस ने ढूंढा जिंदा, छह निर्दोष जेल जाने से बचे

बस्ती। जनपद के वाल्टरगंज थाना क्षेत्र में एक बेहद चौकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पुलिस ने मुकद्दमा दिखते हुए एक बड़े झूठे मामले का पर्दाफाश किया है। क्षेत्राधिकारी सदर सत्येंद्र गूण ठावरी ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि कोर्ट के आदेश पर जिस व्यक्ति की हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था, उसे पुलिस और सर्विलांस टीम ने महज बहतर घंटे के भीतर सही-सलामत जिंदा ढूंढ निकाला है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से छह निर्दोष लोग जेल जाने से बच गए। सीओ सदर के मुताबिक, मामला वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के बिलियागंज गांव का है। यहाँ की निवासी रहमतुल्ला ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि गांव के ही कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश में उनके प्रति इफ्तान की हत्या कर दी है और साक्ष्य मिटाने के लिए शव को कहीं छुपा दिया है। कोर्ट के कड़े रुख के बाद छह जून को वाल्टरगंज थाने में गांव के छह नामजद आरोपियों मैनाज खातून, शहीदा खातून, सहरुननिशा, नूर मोहम्मद, निशाए और अब्दुल अजीज



के खिलाफ हत्या और धमकी देने जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। क्षेत्राधिकारी सदर ने बताया कि हत्या जैसे संवेदनशील मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिंह और सर्विलांस प्रभारी रोशनथ यादव की एक संयुक्त टीम का गठन कर फौरन जांच शुरू की गई। जब टीम ने आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए कथित मृतक इफ्तान के मोबाइल नंबर की लोकेशन को ट्रैक किया, तो पूरी कहानी

थी। वह अपनी पहचान सुनाकर चुप रह गया था। सटीक लोकेशन मिलने के बाद पुलिस टीम ने जाल बिछाया और रविवार को मानिकपुर चौहाने के पास से कथित मृतक इफ्तान को सफ़लतापूर्वक जीवित बरामद कर लिया। पुलिस अब इफ्तान को कोर्ट में पेश कर उसका बयान दर्ज करा रही है, ताकि पूरी साजिश का पर्दाफाश हो सके और झूठा मुकदमा दर्ज कराने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके।

आज मंडावली थाना क्षेत्र के आर्य सुगंध संस्थान मुससेपुर में मंडावली थाना प्रभारी राकेश कुमार जी द्वारा बच्चों को स्वादिष्ट भोजन प्रदान किया



बिजनौर। थाना प्रभारी राकेश कुमार जी ने बच्चों को बड़े प्यार से भोजन वितरित किया तथा पर्यावरण दिवस पर राकेश कुमार ने संस्थान में चंदन का पौधा भी लगाया इस अवसर पर

श्रीमती सुमन जी धर्मपल्ली राकेश कुमार एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा प्रबंधिका कमलेश आर्य देवी ने थाना प्रभारी महोदय का धन्यवाद किया।

बिजनौर मे मौहल्ले मिर्दगान की दो महिलाएं 50.35 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार 88 हजार 950 रुपए भी पुलिस ने किए बरामद



बिजनौर। बिजनौर पुलिस ने नशे का कारोबार करने वाली दो महिलाओं को पड़िया,डाली स्मैक और नगदी के साथ गिरफ्तार कर बड़ी हवेली खाना कर दिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली शहर के अंतर्गत आने वाले चांदपर की चुंगी पर स्थित फरीद नामक व्यक्ति का घर

है। जिसमें स्मैक (नशा) बेचे जाने की सूचना लगातार मिल रही थी। पुलिस ने नशे का अवैध कारोबार में लिप्त लोगों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है जिनके पास से कुछ नगदी भी बरामद हुई है पुलिस ने दोनों को बड़ी हवेली खाना कर दिया।

उन्नाव में गोगो पेपर कोन का बढ़ता दुरुपयोग स्कूली बच्चों तक पहुंचा नशे का जाल

उन्नाव। जनपद के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में गोगो जैसे पेपर कोन के बढ़ते दुरुपयोग ने अभिभावकों, शिक्षकों और सामाजिक संगठनों की चिंता बढ़ा दी है। मूल रूप से तंबाकू अथवा हर्बल धूम्रपान के लिए उपयोग किए जाने वाले इन पेपर कोन का इस्तेमाल अब अवैध मादक पदार्थों के सेवन में भी किया जाने लगा है। स्थिति यह है कि इसका प्रभाव स्कूली बच्चों और किशोरों तक पहुंचता दिखाई दे रहा है, जिससे समाज में चिंता का माहौल है। जानकारी के अनुसार शहर के प्रमुख बाजारों के अलावा कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों की छोटी दुकानों पर भी ये पेपर कोन आसानी से उपलब्ध हैं। इनकी बिक्री पर प्रभावी निगरानी न होने के कारण किशोर वर्ग तक इनकी पहुंच लगातार बढ़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्कूलों, कॉचिंग संस्थानों, सार्वजनिक पार्कों, बस स्टैंडों तथा गांवों के चौराहों



के आसपास इनके खाली रैपर और अवशेष बड़ी संख्या में देखने को मिल रहे हैं, जो नशे की बढ़ती प्रवृत्ति की ओर संकेत करते हैं। शिक्षकों और अभिभावकों का कहना है कि कुछ किशोर इन उत्पादों को आधुनिक चलन और फैशन के रूप में अपनाने लगे हैं, जबकि धीरे-धीरे यह आदत उन्हें नशे की लत की ओर धकेल सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि

कम उम्र में नशे की शुरुआत बच्चों के शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक विकास पर गंभीर पड़ सकती है। इससे न केवल स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ती हैं, बल्कि अपराध और सामाजिक अव्यवस्था की आशंका भी बढ़ जाती है। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि स्कूलों और कॉलेजों के आसपास ऐसे उत्पादों की बिक्री पर विशेष निगरानी रखी जाए। साथ ही संदिग्ध दुकानों की जांच कर नियमों का उल्लंघन करने

वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विद्यालयों में नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं ताकि छात्र-छात्राओं को इसके दुष्परिणामों की जानकारी मिल सके। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि केवल कानूनी कार्रवाई ही पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और प्रशासन को मिलकर जागरूकता अभियान चलाना होगा। समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो नशे का यह जाल और अधिक फैल सकता है तथा युवा पीढ़ी का भविष्य प्रभावित हो सकता है। जनपदवासियों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागों से मांग की है कि इस बढ़ती समस्या को गंभीरता से लेते हुए व्यापक अभियान चलाया जाए, ताकि बच्चों और युवाओं को नशे की गिरफ्त में जाने से बचाया जा सके।

पूरनपुर को जाम से मुक्ति 13.46 करोड़ से बनेंगे दो भव्य ओवरब्रिज



पूरनपुर पीलीभीत स्थानीय विधायक बाबूराम पासवान के प्रयासों से पूरनपुर क्षेत्र को एक बड़ी सौगात मिली है। शेरपुर बायपास और माधोटांडा रेलवे क्रासिंग पर 13.46

इस ऐतिहासिक सौगात के लिए पीएम मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ और केन्द्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद का आभार जताया है।

उन्नाव में बिल्डर के कार्यालय से लाखों की चोरी, ताला तोड़कर ले गए सोलर पैनल, सीसीटीवी और इलेक्ट्रॉनिक सामान



उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। सोमवार देर रात अज्ञात चोरों ने एक बिल्डर के कार्यालय को लूटपाट बनाते हुए करीब दो लाख रुपये मूल्य का सामान चोरी कर लिया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। लगातार हो रही चोरियों से क्षेत्रीय लोगों में दहशत और पुलिस व्यवस्था को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फतेखेड़ा विसर्जन स्थल झील के निकट स्थित आश्रुति बिल्डर्स एंड डेवलपर्स के

कार्यालय में सोमवार रात चोरी की घटना हुई। मंगलवार सुबह जब कार्यालय संचालक जय सिंह यादव निवासी अबिकापुरम, शुवलगांज अपने कार्यालय पहुंचे तो शटर का ताला टूटा हुआ देखकर उनके होश उड़ गए। कार्यालय के भीतर प्रवेश करने पर सामान बिखरा पड़ा मिला और कई महत्वपूर्ण उपकरण गायब थे। पीड़ित जय सिंह यादव के अनुसार, अज्ञात चोर रात के समय शटर का ताला तोड़कर अंदर घुस आए और कार्यालय में रखा कीमती सामान समेट ले गए। चोरी हुए सामान में

सोलर पैनल, सीसीटीवी कैमरे, डीवीआर, समर्सिबल पंप, इन्वर्टर, बैटरी, एलईडी टीवी, पंखा, ड्रवशज चूल्हा, गैस सिलेंडर सहित अन्य सामग्री शामिल है। चोरी गए सामान की कुल कीमत लगभग दो लाख रुपये आंकी गई है। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 पीआरटी टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने कार्यालय संचालक से घटना की विस्तृत जानकारी लेकर आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है

ताकि चोरों की पहचान की जा सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आम नागरिकों और व्यापारियों में असुरक्षा की भावना पैदा हो गई है। लोगों का आरोप है कि पुलिस गश्त और निगरानी व्यवस्था गंजबूत न होने के कारण चोरों के हौसले बुलंद हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 6 जून को भी गंगाघाट क्षेत्र के गगनीखड़ा गांव में सुनीता देवी, पत्नी विनोद निषाद के घर चोरी की घटना सामने आई थी। उस मामले का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। लगातार हो रही घटनाओं ने पुलिस को कार्रवाई पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। इस संबंध में कोतवाली गंगाघाट प्रभारी अजय सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर पड़ताल कर रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस का दावा है कि चोरी की घटना का शीघ्र खुलासा किया जाएगा।

योगी सरकार की मंशा पर खरे इंसपेक्टर अशोक दुबे की कर्मठता को मिला गोविंद नगर का चार्ज



कानपुर। कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोलते यहाँ के पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने कई थानेदारों में फेर बदल बदल किया है, जिसके क्रम में चकरी अनवर गंज और फिदवाई नगर के बाद अब चुनौती पूर्ण गोविंद नगर की कमान इंसपेक्टर अशोक कुमार दुबे के हवाले की है। गोविंद नगर से पहले नौबस्ता, चकरी ,जागमऊ, घाटमपुर ,अनवरगंज और फिदवाई नगर में भी पीड़ितों की हर संभव सहायता के साथ ही कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के माग्यों में इंसपेक्टर अशोक दुबे की नेतृत्व कुशलता सदैव सफल रही है और अब कर्तव्य के प्रति उनकी प्रगाढ़ निष्ठा कठोर परिश्रम के साथ पीड़ितों के हित में अपराधियों के खिलाफ गोविंद नगर में भी सक्रिय है। दरअसल पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल की मंशा चार्ज के मामले में केवल उन्हीं थानेदारों को महत्व देना है ,जो कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में

रखे हैं। यही नहीं यूपी की पुलिस सेवा में आने के बाद निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के कठोर परिश्रमी इंसपेक्टर अशोक कुमार दुबे के अब तक के कार्यकाल के विवेचन से यह भी साबित होता है कि हालात चाहे जैसे रहे हों लेकिन निर्दोष फसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की पबल विचारधारा के अनुरूप अपनी धुन के भी पक्के बेहद निरड और स्वामिनाथी इंसपेक्टर अशोक दुबे ने अपनी कर्तव्य के प्रति निष्ठा के साथ समझौता आज तक नहीं किया। इसी के साथ निर्दोष फसे नहीं और

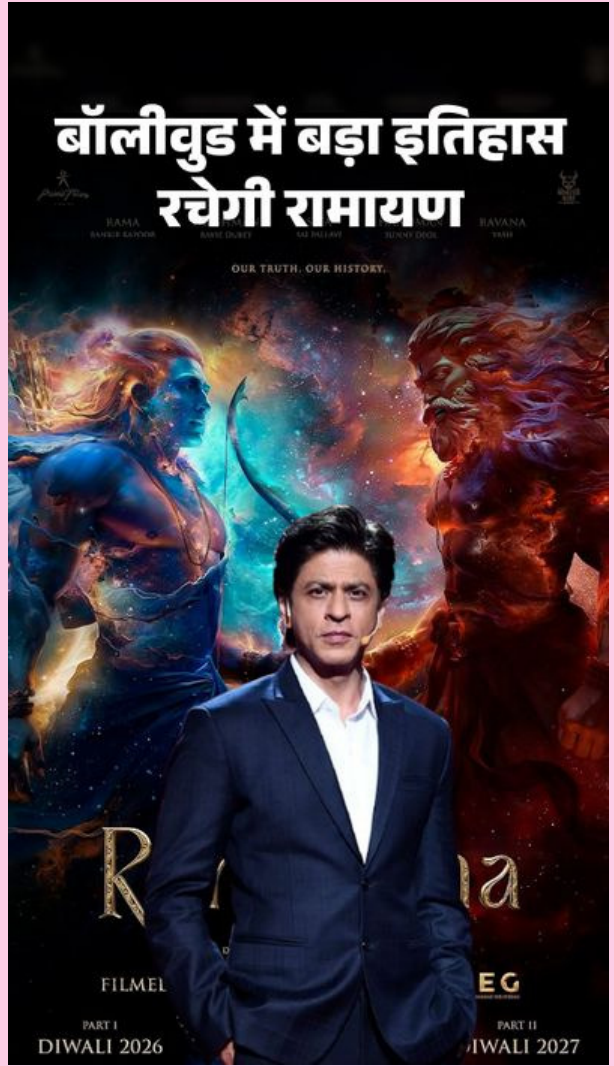
अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की पबल विचारधारा वाले इंसपेक्टर अशोक दुबे की कार्यशैली भी संभावित असह्य लोगों की हितरक्षक और बहुत मैत्रीपूर्ण भी मानी जाती है ,जिसके अनुरूप ही भगवान और गम्व यानी कर्म भरोसे रहने वाले इंसपेक्टर अशोक दुबे जहां उचित पात्र लोगों की हर संभव सहायता करते हैं। साथ ही उनकी निडरता

कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ शठ थाट दाय्यम समायोरेत वाली कहावत चरितार्थ करने से भी नहीं छूटती। यही वजह है कि नैतिक संसार में हर स्तर की सखमत और संपन्नता से परिपूर्ण होने के बाद भी अहंकार शून्य शिवत्व स्वभाव के प्रति उनकी प्रगाढ़ निष्ठा उनकी गुंजाऊ नौकरी के अब तक के कार्यकाल में सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए दर्जनों शांति को सबक सिखाने में भी सफल हो चुकी है।

सलमान की वजह से यहाँ पहुँची हूँ

कैमिस्ट्रीना कैफ

‘अजब प्रेम की गजब कहानी’ में आपके किरदार के बारे में क्या कहना चाहेंगी? 20 वर्षीय जेनिफ़र का किरदार बहुत ही मजेदार है। निर्देशक राजकुमार संतोषी ने बहुत ही खूबसूरती से इस किरदार को तैयार किया है। आज की कई लड़कियों को मेरे किरदार में उनका रूप नजर आएगा। राजकुमार संतोषी के साथ आपने पहली बार काम किया। कैसा अनुभव रहा? राजकुमार संतोषी बॉलीवुड के उन निर्देशकों में शामिल हैं जो अपने हिसाब से फ़िल्में बनाते हैं। उन्होंने हर तरह की फ़िल्में बनाई हैं, जो दर्शकों को पसंद भी आई हैं। उनके साथ काम करने के लिए हर कोई तैयार



रणबीर कपूर और साई पल्लवी की मल्टीस्टारर फ़िल्म रामायण कई बड़े रिकॉर्ड तोड़ने की कगार में है। फ़िल्म पहले ही 700 करोड़ रुपए की ओटीटी डील टुकरा चुकी है, जिसके बाद अब रिपोर्ट्स हैं कि इस पैन इंडिया फ़िल्म के सिर्फ़ हिंदी डिस्ट्रीब्यूशन के राइट्स की डील 450 करोड़ में की जा रही है। वैराइटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, फ़िल्म रामायण के हिंदी वर्जन के डिस्ट्रीब्यूशन के लिए फ़िल्म के प्रोड्यूसर्स 450 करोड़ रुपए की मांग कर रहे हैं। जबकि अब तक सबसे महंगे डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स शाहरुख़ खान की अपकमिंग फ़िल्म किंग के 250 करोड़ में बिके हैं। अगर ये फ़िल्म 450 की बजाए 300 करोड़ तक में भी डील करती है, तो ये बॉलीवुड के इतिहास की सबसे बड़ी डिस्ट्रीब्यूशन डील बन जाएगी। रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि अनिल थडानी और जयंतिलाल गडा जैसे कुछ डिस्ट्रीब्यूटर्स का मानना है कि 450 करोड़ एक फ़िल्म के सिर्फ़ हिंदी डिस्ट्रीब्यूशन के लेना एक बड़ी कीमत है। उन्होंने निर्माताओं को इसमें कटौती करने पर विचार करने की सलाह दी है। हालांकि फ़िल्म के मेकर्स को फ़िल्म की सक्सेस पर पूरा भरासो है और वो इस रकम पर अड़े हुए हैं। फ़िल्महाल मेकर्स की करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन, ॥ फ़िल्म्स और पेन स्टूडियो से प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा की इस डील पर बात चल रही है। ट्रेड एक्सपर्ट्स के अनुसार, फ़िल्म रामायण

रहता है। जब मुझे उसे उन्होंने फ़िल्म के बारे में पूछा तो मैं तुरंत ही तैयार हो गई क्योंकि मैं भी उनके साथ काम करना चाहती थी। वे कलाकार से काफी काम करवाते हैं। जब तक कोई शॉट उन्हें पसंद नहीं आता, तब तक वे रीटेक करवाते रहते हैं। यही वजह है कि कलाकारों से बहुत ही अच्छा काम हो जाता है, जो परदे पर भी नजर आता है। अपने हमउम्र रणबीर के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? बहुत ही अच्छा। हमउम्र कलाकारों के साथ काम करने का एक अलग अनुभव होता है। हमउम्र होने की वजह से विचारों में काफी समानता होती है। रणबीर बहुत ही टैलेंटेड अभिनेता हैं। कपूर खानदान

से होने के बावजूद उनमें अकड़ नहीं है। सेट पर स्पोर्ट ब्रॉय से लेकर सभी से वे अच्छी तरह पेश आते हैं। यही वजह है कि वे सेट पर सभी के चहेते बन जाते हैं। युवा होने की वजह से वे ऊर्जावान हैं और उनकी ऊर्जा सेट पर खुशगवार माहौल बना देती है। उनके साथ काम करके मुझे बहुत मजा आया। रणबीर के साथ आपकी कैमिस्ट्री भी अच्छी बनी थी...। कैमिस्ट्री बनेगी तो ही हम अच्छा काम करेंगे न? सेट पर सिर्फ़ हम दोनों ही नहीं होते बल्कि सैकड़ों लोग होते हैं और उनके सामने हमें रोमांटिक दृश्य निभाने होते हैं। यह रोमांटिक फ़िल्म है और हमें रोमांटिक दृश्य देना जरूरी होता है लेकिन मीडिया इसका ग़लत अर्थ निकालता है और हमारे बारे में किसी भी तरह की खबरें फैलाता है। हम कलाकार हैं और अपना काम अच्छा करने की कोशिश करते हैं। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो दर्शकों को वह पसंद नहीं आएगा। अक्षय कुमार सीनियर कलाकार हैं। उनसे अलग बातें सीखने को मिलती हैं। सेट पर काम किस तरह करना है, किस तरह कम समय में अच्छा शॉट देना है, लोगों के साथ किस तरह दूरी बनानी है या नजदीक जाना है, यह उनसे मुझे सीखने को मिला। वे समय जाया नहीं करते और फ़्टाफ़्ट शॉट निपटाकर दूसरे कामों में लग जाते हैं। क्या आप अभिनेत्री ही बनना चाहती थीं? नहीं। मैं तो सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थी। पेट्रो-केमिकल इंजीनियरिंग करने वाली थी। मेरे शिक्षकों ने कहा कि यह विषय मेरे बस की बात नहीं है। मैं कोई दूसरा रास्ता ढूँँहूँ। उसके बाद मैंने मॉडलिंग में अपना करिअर करने के बारे में गंभीरता से सोचा और संघर्ष करने लगी। मैं अपना पोर्टफ़ोलियो लेकर विज्ञापन एजेंसियों के दफ़्तर में जाने लगी। मुंबई आने के बाद भी मैंने अपना संघर्ष जारी रखा। मैंने सबसे पहली फ़िल्म दक्षिण भारतीय भाषा की फ़िल्म की। उसके बाद छूमष् में काम किया। मुझे लग रहा था कि मेरा कुछ नहीं होगा लेकिन ऊपर वाले की मेहरबानी से मेरी सलमान से मुलाकात हुई। वे संघर्ष के दौरान मेरे

साथ खड़े रहे। उनकी वजह से ही मैं आज यहाँ पहुँची हूँ। मेरी माँ के बाद मैं अगर किसी को मानती हूँ, तो वह सलमान खान है। मैं न तो किसी फ़िल्मी परिवार से हूँ और न ही मेरा कोई गॉडफ़ादर है। मुझे मौका मिला, मैंने मेहनत की और आज यहाँ तक पहुँची हूँ। आपकी और कौन-कौन-सी फ़िल्में आने वाली हैं? 27 नवंबर को प्रियदर्शन की ध्दे दनादनष् प्रदर्शित होगी। यह फ़िल्म भी अलग है। अक्षय के साथ मेरी यह छठी फ़िल्म है। मुझे उम्मीद है कि यह फ़िल्म भी दर्शकों को अवश्य पसंद आएगी। इसके अलावा मैं प्रकाश झा की ब्राजनीतिष् कर रही हूँ। यह ष्महाभारतष् के समानांतर आज की राजनीति पर आधारित फ़िल्म है।



शाहरुख़ खान की लाडली सुहाना खान अपने स्टारिंग और ग्लैमरस लुकस के लिए अक्सर इंटरनेट सेंसेशन बनी रहती हैं। उनका हर नया अंदाज सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो जाता है और फैंस उन पर

जमकर प्यार बरसाते हैं। सुहाना खान 26 साल की हो चुकी हैं। आज, 22 मई को वो अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। ऐसे में उनका हर नया अंदाज सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो जाता है और फैंस उन पर

मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 6.2 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। सुहाना खान आए दिन अपनी ग्लैमरस फोटोज शेयर करती रहती हैं। वो अपने फैशन सेंस से लोगों को दीवाना बना देती हैं। सुहाना

हर एक लुक में गजब ढाती हैं। चाहे वेस्टर्न हो या ट्रेडिशनल उनका हर एक अंदाज देखने लायक होता है। सुहाना जहां भी जाती है, अपने ग्लैमरस लुकस से सबका ध्यान खींच लेती हैं। खूबसूरती के मामले में भी एक्ट्रेस

सुहाना कहर ढा रही हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो, सुहाना जल्द ही अपने पापा शाहरुख़ खान की फ़िल्म शिकंगष् में नजर आने वाली हैं।

किसी से कम नहीं हैं। इस येलो बॉडीकॉन ड्रेस में सुहाना का फी खूबसूरत और ग्लैमरस लग रही है। उन्होंने सटल मेकअप और खुले बालों के साथ इस लुक को पूरा किया है। वहीं, उनका ये ट्रेंडिशनल अवतार भी देखने लायक है। ट्रांसपेरेंट साड़ी में

डेव्यू से पहले ही मीडिया में तूफ़ान!

पिछले साल राजस्थान रॉयल्स के लिए ३5 गेंदों में ऐतिहासिक शतक बनाकर उन्होंने जो सुर्खियां बटोरी थीं, उसे देखते हुए आईपीएल सीजन को उनके लिए सबसे कठिन परीक्षा माना जा रहा था, लेकिन इसके बजाय यह सीजन उनके भारतीय करियर का लॉन्पेपैड बन गया। सूर्यवंशी को कभी भी भारतीय टीम में जगह बनाने की उम्मीद नहीं थी। उनकी उम्र सिर्फ़ 15 साल है। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद इस किशोर ने पिछले साल का अधिकांश समय अंडर–19 क्रिकेट खेलने में बिताया। हालांकि उन्होंने कुछ घरेलू मैच भी खेले, जिनमें अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ़ 36 गेंदों में लिस्ट ए शतक और बिहार के उप–कप्तान के रूप में रणजी ट्रॉफी में 67 गेंदों में 93 रन शामिल हैं, लेकिन आयु वर्ग का क्रिकेट ही उनका मुख्य लक्ष्य रहा। फ़ि़र भी, आईपीएल 2026 में उनके शानदार प्रदर्शन ने, जिसमें उन्होंने 2३7.३ के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए, रिकॉर्ड 72 छक्के जड़े और पांच व्यक्तिगत पुरस्कार जीते, चयनकर्ताओं को उन्हें भारतीय टीम में शामिल करने के लिए मजबूर कर दिया। पिछले शनिवार को जब बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरों के साथ–साथ एशियाई खेलों के लिए भारत की टीमों की घोषणा की, तो सूर्यवंशी का नाम तीनों ही टीमों में शामिल था। इंग्लैंड का दौरा, विशेष रूप से इस युवा खिलाड़ी के लिए एक कड़ी परीक्षा साबित होगा, क्योंकि वहां की परिस्थितियां आईपीएल के दौरान की परिस्थितियों से बिल्कुल अलग हैं। लेकिन उड़ान भरने से पहले ही, सूर्यवंशी ने भारत की पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से पहले इंग्लैंड में मीडिया में हलचल मचा दी है। लॉर्ड्स में खेले गए पहले इंग्लैंड–न्यूजीलैंड टेस्ट के दौरान स्काई स्पोर्ट्स पर हुई एक चर्चा में, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइक एथर्टन ने सूर्यवंशी पर डेली मेल का एक लेख दिखाया। उसका शीर्षक थाएक भारत का युवा सनसनी सूर्यवंशी इस गम का सबसे ज्यादा देखने लायक खिलाड़ी है। एथर्टन ने कहारू धैबव सूर्यवंशी – इस साल का सबसे ज्यादा देखने लायक खिलाड़ी। उन्हें भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में चुना गया है, जो इस श्रृंखला (न्यूजीलैंड के खिलाफ़) के बाद होगी। और इस युवा खिलाड़ी को लेकर मीडिया में पहले से ही हलचल मची हुई है, है ना?ष पैल की सदस्य, द टाइम्स की पत्रकार एलियाबेथ एमन ने भी इस बात से सहमति जताते हुए कहा कि टिकटों की बिक्री पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को देखते हुए ईसीबी सूर्यवंशी के चयन से बेहद खुश होगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि राजस्थान रॉयल्स के इस बल्लेबाज ने जिस तरह से दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का सामना किया, उसे देखकर वे दंग रह गईं – पहली ही गेंद पर छक्का जड़ना। उन्होंने कहा कि बिल्कुल सही। और मुझे लगता है कि ईसीबी खुश होगा... इससे कुछ और टिकट बिकेंगे! आईपीएल में उन्हें खेलते देखना असाधारण रहा है। और यह उनकी निरंतरता है। मैंने कुछ खिलाड़ियों को भी सुना है, जैसे लियाम लिविंगस्टोन, जिन्होंने कहा कि वे नेट प्रैक्टिस में भी पहली गेंद से ही अच्छा खेलते हैंय वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का सामना करते हैं। पैट कमिंस ने कहा कि उन्हें समझ ही नहीं आता कि किसे गेंदबाजी करें।

भारती फुलमाली का बल्ल गटजा

महिला टी–20 विश्व कप 2026 की तैयारियों के बीच भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शानदार शुरुआत करते हुए अभ्यास मुकाबले में वेस्टइंडीज को 26 रन से हरा दिया है। कांडिकमं खेले गए इस मुकाबले में भारत ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में संतुलित प्रदर्शन किया, जिससे टीम को आत्मविश्वास से भरी जीत हासिल हुई। बता दें कि इसी वर्ष भारतीय महिला टीम ने महिला एकदिवसीय विश्व कप जीतकर इतिहास रचा था। ऐसे में आगामी टी–20 विश्व कप को लेकर टीम की तैयारियों पर सभी की नजरें हैं। अभ्यास मुकाबले में भी भारतीय खिलाड़ियों ने संकेत दिया है कि टीम बड़े टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह तैयार होने की दिशा में आगे बढ़ रही है। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने निर्धारित ओवरों में आठ विकेट के नुकसान पर 179 रन बनाए हैं। टीम को मजबूत शुरुआत स्मृति मंधाना और शोफली वर्मा की सलामी जोड़ी ने दिलाई है। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 59 रन जोड़कर टीम की नींव मजबूत की। स्मृति मंधाना ने ३9 गेंदों में 39 रन बनाए, जिसमें आठ चौके शामिल रहे हैं। भारत ने शुरुआती छह ओवरों में एक विकेट के नुकसान पर 70 रन बना लिए थे। मुकाबले के बाद मंधाना ने कहा कि उनके और शोफली वर्मा के लिए टीम को तेज शुरुआत देना महत्वपूर्ण था, क्योंकि हालिया श्रृंखला में वे ऐसा लगातार नहीं कर पाई थी।

लखनऊ से प्रकाशित

96 साल, 22 संस्करण और सिर्फ 8 चौपियन!

फीफ विश्वकप जीतना क्यों आसान नहीं, क्या इस बार मिलेगा कोई नया विजेता?

न्यूयॉर्क। फ़ीफ़ विश्व कप का इतिहास 1930 से शुरू हुआ और अब तक 22 संस्करण खेले जा चुके हैं। हैरानी की बात यह है कि इतने लंबे इतिहास में केवल आठ देश ही विश्व चौपियन बन पाए हैं। ब्राजील पांच खिताब के साथ सबसे सफ़्त टीम है, जबकि जर्मनी और इटली ने चार–चार बार ट्रॉफी जीती है। 2026 में पहली बार 48 टीमों वाला विश्व कप खेला जाएगा, लेकिन इतिहास बताता है कि चौपियन बनना अब भी दुनिया की सबसे कठिन खेल उपलब्धियों में से एक है। फ़ीफ़ विश्व कप दुनिया का सबसे बड़ा फुटबॉल टूर्नामेंट माना जाता है। इसकी शुरुआत 19३0 में हुई थी और तब से लेकर 2022 तक, 96 साल में कुल 22 संस्करण खेले जा चुके हैं। हालांकि इतने लंबे इतिहास के बावजूद केवल आठ देश ही विश्व कप जीत पाए हैं। अब अंकड़ा बताता है

कि फुटबॉल की सबसे प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतना कितना मुश्किल काम है।

2026 में अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में विश्व कप का 2३वां संस्करण खेला जाएगा। इस बार रिकॉर्ड 48 टीमों हिस्सा लेंगी, लेकिन इतिहास को देखते हुए यह सवाल बना हुआ है कि

क्या कोई नया देश पहली बार चौपियन बन पाएगा? ब्राजीलरू विश्व फुटबॉल का बेताज बादशाह विश्व कप इतिहास में सबसे सफ़्त टीम ब्राजील रही है। उसने 1958, 1962, 1970, 1994 और 2002 में खिताब जीता। पांच ट्रॉफ़ियों के साथ ब्राजील आज भी नंबर–एक है।

ब्राजील की सफ़लता में पेले, रोमारियो, रोनाल्डो, रोनाल्डिन्हो और नेमार जैसे सितारों का बड़ा योगदान रहा है। हालांकि हैरानी की बात यह है कि 2002 के बाद से ब्राजील एक भी विश्व कप नहीं जीत पाया है। जर्मनी और इटली की शानदार विरासत ब्राजील के बाद जर्मनी और

चयनकर्ताओं ने नजरअंदाज किया तो शतक जड़ दिया! ऋतुराज गायकवाड़ ने श्रीलंका में बल्ले से दिया जवाब



समय यशस्वी भारत–ए टीम का हिस्सा थे। यशस्वी के सीनियर टीम में जाने के बाद ऋतुराज को उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर भारत–ए स्कोड में शामिल किया गया और उन्होंने इस मौके को दोनों हाथों से भुनाते हुए श्रीलंका–ए के खिलाफ बेहतरीन शतक ठोक दिया। साथ ही अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति को भी करारा जवाब दिया है। भारत ने पहले बल्लेबाजी का

लिया फैसला पहले मुकाबले में भारत–ए के कप्तान तिलक वर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। हालांकि टीम को शुरुआती झटके लगे, लेकिन इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ ने पारी को संभाल लिया। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज ने आक्रामक और संयमित बल्लेबाजी का शानदार मिश्रण दिखाते हुए 112 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। इस दौरान उन्होंने

छह चौके और तीन छक्के लगाए। यह उनके लिस्ट–ए करियर का 21वां शतक रहा। तिलक वर्मा के साथ की बड़ी साझेदारी भारत–ए की पारी को मजबूती देने में कप्तान तिलक वर्मा ने भी अहम भूमिका निभाई। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 185 गेंदों में 150 रन की साझेदारी की। जब भारत का स्कोर

219९३ था, तब ऋतुराज ने अपना शतक पूरा किया। वहीं तिलक वर्मा ने भी अर्धशतक जमाकर टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला। शतक के बाद जस्ट्य लैट्टे पर्वेलियन शतक पूरा करने के कुछ ही समय बाद ऋतुराज अपनी पारी को और बढ़ा नहीं बना सके। वह 114 गेंदों में 101 रन बनाकर वानुजा साहन का शिकार बने। उनकी पारी में छह चौके और तीन छक्के शामिल रहे।

अर्थ जगत

श्वैश्विक संकट के बीच भी नहीं थमेगी भारत की रफ्तारश्, जानिए विश्व बैंक ने किसे बताया गेमचेंजर

नई दिल्ली। वैश्विक मोर्चे पर आर्थिक संकट के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था क्यों तेजी से कैसे बढ़ सकती है, विश्व बैंक ने इस पर टिप्पणी की है। विदेशी निवेश और फू़ड़ प्रोसेसिंग सेक्टर में विश्व बैंक और केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की ओर से आयोजित सैपलिंग हाई–लेवल पॉलिसी डायलॉग के दौरान उन्होंने यह बात कही। उनके मुताबिक, भारत की सफ़लता की सबसे बड़ी वजह यह है कि वह अपने लोगों और व्यापारिक इंग्रस्ट्रक्चर में लगातार निवेश कर रहा है। साथ ही, देश द्विपक्षीय भागीदारों के साथ बेहतरीन व्यापारिक समझौते कर रहा है, जो इसे बाहरी झटकों से बचाते हैं और इसकी वृद्धि को पक्का करते हैं। विदेशी निवेशकों के लिए भारत आज सबसे बड़ा बाजार क्यों है? जब बात बैंक के भारत के लिए ऑपरेशंस

मैनजर और कार्यवाहक कंट्री डायरेक्टर पॉल प्रोसी का कहना है कि भारत की अपनी एक विशाल अर्थव्यवस्था है और इसका बेसलाइन ग्रोथ बहुत मजबूत है। गुजरात के अहमदाबाद में विश्व बैंक और केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की ओर से आयोजित सैपलिंग हाई–लेवल पॉलिसी डायलॉग के दौरान उन्होंने यह बात कही। उनके मुताबिक, भारत की सफ़लता की सबसे बड़ी वजह यह है कि वह अपने लोगों और व्यापारिक इंग्रस्ट्रक्चर में लगातार निवेश कर रहा है। साथ ही, देश द्विपक्षीय भागीदारों के साथ बेहतरीन व्यापारिक समझौते कर रहा है, जो इसे बाहरी झटकों से बचाते हैं और इसकी वृद्धि को पक्का करते हैं। विदेशी निवेशकों के लिए भारत आज सबसे बड़ा बाजार क्यों है? जब बात निवेश की आती है, तो दुनिया भर के

देशों के मुकाबले भारत का आकर्षण तेजी से बढ़ रहा है। प्रोसी ने भारत के विस्तार को देखते हुए इसे एक शमहादीपश् के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा शानदार कारोबारी माहौल बना रहा है जहां स्थानीय और विदेशी दोनों निवेश सीधे प्राइवेट सेक्टर को मजबूत करने का काम कर रहे हैं। इसके अलावा, भारत का एक बहुत बड़ा उपभोक्ता वर्ग और लगातार बढ़ रहे पी ट्रेड एग्रोमेंट (एफ्टीए) निवेशकों के लिए मुनाफ़ के बेहतरीन मौके लेकर आ रहे हैं, जिससे देश की आर्थिक वृद्धि को एक नई दिशा मिल रही है। फू़ड़ प्रोसेसिंग सेक्टर देश का अगला ग्रोथ इंजन कैसे बनेगा? विश्व बैंक के अधिकारी ने ख़ास तौर पर शफू़ड प्रोसेसिंग्श (खाद्य प्रसंस्करण) को भारत के भविष्य के विकास के लिए सबसे होनहार क्षेत्रों में से एक बताया है।

टीसीएस में तीन साल के भीतर इंसानों के बराबर होंगे एआई कर्मचारी, एन चंद्रशेखरन क्यों कहा ऐसा, जानिए सबकुछ

नई दिल्ली। जानिए कैसे टीसीएस अगले तीन साल में अपने इंसानी कर्मचारियों के बराबर एआई एजेंट तैनात करने जा रही है। एन चंद्रशेखरन के इस बड़े एलान का आईटी सेक्टर पर असर समझने के लिए पूरी खबर पढ़ें। क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) हमारी नौकरियां छीन लेगी या फ़िर व्यापार के नए रास्ते खोलेगी? इस चर्चा के बीच भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टंटसी सर्विसेज (जै) ने भविष्य की एक बेहद साफ़तरस्वीर पेश की है। टीसीएस के चैयरमैन एन चंद्रशेखरन ने सोमवार को एक बड़ा एलान करते हुए कहा है कि अगले तीन साल के भीतर कंपनी में इंसानी कर्मचारियों की संख्या के बराबर ही

श्एआई एजेंटश् या श्एआई वर्कश् काम कर रहे होंगे। यह बयान स्पष्ट करता है कि एआई अब केवल एक तकनीकी प्रयोग नहीं रह गया है, बल्कि यह भविष्य के बिजनेस ग्रोथ का सबसे अहम चालक बन चुका है। टीसीएस का एआई रेवेन्यू और निवेश कितनी तेजी से बढ़ रहा है? टीसीएस की ३1वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में बोलते हुए चंद्रशेखरन ने बताया कि कंपनी अपने इंटरनल ऑपरेशंस, सॉल्यूशंस प्रैक्चर्क और एक्सटर्नल ऑपरेशंस में एआई इम्पैक्ट बढ़ाएगी और निवेश कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा, ष्ह दिन दूर नहीं जब टीसीएस में फ़िज़िकल कर्मचारियों के बराबर ही एआई एजेंट काम करेंगे। वित्तीय आंकड़ों पर

नजर डालें, तो पिछले चार तिमाहियों से कंपनी के एआई रेवेन्यू में लगातार 22 फ़ीसदी से ज्यादा की तिमाही वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2026 की एआई की तिमाही के अनुसार, टीसीएस का सालाना एआई रेवेन्यू 2.5 अरब डॉलर के विशाल आंकड़े तक पहुंच गया है। क्या एआई से आईटी सेक्टर को कोई खतरा है या यह एक बड़ा मौका है? एआई से आईटी सेक्टर में उथल–पुथल की चिंताओं को चंद्रशेखरन ने एक श्गलतफ़रूमशी से स्पष्ट दिया। उन्होंने शैयश्धारकों से क्या तौर पर भारी निवेश कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा, ष्ह दिन दूर नहीं है, बल्कि एंटरप्राइज आईटी के लिए यह अब तक का सबसे बड़ा मौका है६ उन्होंने एआई के दौर में आईटी कंपनियों के लिए

विकास के पांच मुख्य अवसरों का उल्लेख कियारू लेगेसी सिस्टम का आधुनिकीकरणरू पुराने तकनीकी इंग्रस्ट्रक्चर और बिखरे हुए डेटा को एआई के जरिए आधुनिक बनाना। बिजनेस प्रोसेस का नया डिजाइनरू सफ़लाई चैन और कस्टमर जर्नी जैसे कोर ऑपरेशंस को एंड–टू–एंड एआई से लैस करना। एआई एजेंट्स का प्रबंधनरू सुरक्षा, लागत और नियमों के पालन के लिए एआई का गवर्नेंस सुनिश्चित करना। सॉर्वेनर एआई का उदयरू सरकारों और कड़े नियमों वाले संस्थान अपने डेटा पर पूरा नियंत्रण चाहते हैं। इसे देखते हुए टीसीएस ने भारत और यूरोप में विशेष पहल शुरू कर दी है। फ़िज़िकल एआईरू फ़ैक्ट्रियों और

गोदामों में एआई रोबोटिक्स का इस्तेमाल। उदाहरण के तौर पर, एक ग्लोबल कृषि कंपनी के गोदाम में खतरनाक परिस्थितियों की निगरानी के लिए चार–चर रही चिंताओं के बावजूद, टीसीएस का बिजनेस मोमेंटम बेहद मजबूत है। चंद्रशेखरन के अनुसार, फ़ार्मिज़न बरकरार है, रेवेन्यू बढ़ रहा है, और नई डील की पाइपलाइन पहले से कहीं अधिक मजबूत है६ आंकड़ों की बात करें तो, वित्त वर्ष 2026 में कंपनी का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 4.6: बढ़कर 2.67 लाख करोड़ रुपये रहा

बाजार में बढ़तय सेंसेक्स 418 अंक चढ़ा, निफ्टी 23200 के पार पहुंचा

नई दिल्ली। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में ३0 शैयरों वाला सेंसेक्स 418.98 (0.56 :) अंकों की बढ़त के साथ 7३,943.24 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं 50 शैयरों वाला निफ्टी 123.85 (0.54 :) अंकों की बढ़त के साथ 2३,246.85 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। आइए जानते हैं बाजार का विस्तृत हाल। घरेलू शैयर बाजार में मंगलवार को बढ़त दिखी। प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सोमवार की गिरावट के बाद बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे। शुरुआती कारोबार में ३0 शैयरों वाला सेंसेक्स 418.98 (0.56 :) अंकों की बढ़त के साथ 7३,943.24 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं 50 शैयरों वाला निफ्टी 123.85 (0.54 :) अंकों की बढ़त के साथ 2३,246.85 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में करीब एक फ़ीसदी की नरमी का निवेशकों के बीच सकारात्मक रुझान दिखा। इंडिगो और टैट जैसे शैयरों में करीब–करीब दो फ़ीसदी की बढ़त दिखी। शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 20 पैसे बढ़कर 95.41 पर पहुंच गया। एशियाई शैयर बाजारों में मार्च के बाद की सबसे बड़ी गिरावट के बाद जोरदार वापसी हुई है। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से

जुड़े शैयरों में सुधार ने इसे सहारा दिया। एमएससीआई एशिया प्रशांत सूचकांक 1.३ फ़ीसदी बढ़कर तीन दिन की गिरावट को समाप्त कर दिया। बैंकिंग और बाजार विश्लेषक अजय बग्गा के अनुसार, यह सुधार वैश्विक और घरेलू दोनों कारकों के संयोजन से हुआ है। अमेरिकी बाजारों में विप की बिक्री में आई गिरावट सोमवार को पलट गई। इससे एशिया भर में निवेशकों की भावना में सुधार हुआ। डॉव जोन्स वायदा 45.43 अंक बढ़कर 50,830.44 पर पहुंच गया। एस एंड पी 500 सूचकांक में 0.30 फ़ीसदी और नस्टेक सूचकांक में 0.86 फ़ीसदी की वृद्धि हुई। बाजार में तेजी के प्रमुख कारण क्या हैं? अ अजय बग्गा ने बताया कि अमेरिकी बाजारों में विप की बिक्री में सुधार हुआ है।

इससे कृत्रिम बुद्धिमत्ता की गति से जुड़े शैयरों को बढ़ावा मिला। प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण घटनाक्रम हुए हैं। स्पेसएक्स का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम अत्यधिक अभिमान प्राप्त कर चुका है। इसके संग्रह बुधवार को समाप्त होंगे और श्रुक्वार को सूचीबद्धता होगी। इससे अन्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित हिस्सेदारी बेचने से तरलता निर्माण का अतिरिक्त दबाव कम होगा। एक अमेरिकी संघीय न्यायाधीश के फैसले से भारतीय

सूचना प्रौद्योगिकी शैयरों को बढ़ावा मिल सकता है। इस फैसले ने ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए 100,000 डॉलर के एच–1बी वीजा शुल्क को रद्द कर दिया है। भू–राजनीतिक घटनाक्रमों का क्या असर हुआ? भू–राजनीतिक घटनाक्रमों ने भी बाजार की भावना को सहारा दिया है। ईरान और इस्राइल ने सैन्य संघर्ष समाप्त करने की घोषणा की है। उन्होंने ट्रंप द्वारा बुलाई गई युद्धविराम अपील का समर्थन किया है। इससे एशियाई बाजारों में मंगलवार सुबह शैयरों को उबरने में मदद मिली। हालांकि, बग्गा ने कहा कि पिछले छह कारोबारी दिनों में भारतीय बाजार अन्य उभरते बाजारों से पीछे रहे हैं। विदेशी पोर्टफ़ोलियो निवेशकों ने 36,000 करोड़ रुपये से अधिक की पूंजी निकाली है। फ़ि़र भी, बग्गा को बाजार में सुधार की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार अत्यधिक बिकवाली के स्तर पर हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक का क्या योगदान है? अजय बग्गा ने भारतीय रिज़र्व बैंक के समर्थन पर भी जोर दिया। रिज़र्व बैंक ने अपनी एफ़्फ़ीएनआर(बी) नीतिगत समर्थन को अधिसूचित किया है। बग्गा को एफ़्फ़ीएनआर(बी) मार्ग से कम से कम 40–50 अरब डॉलर के पूंजी प्रवाह की उम्मीद है। दूरसंचार शैयरों में भी खरीदारी की रुचि देखी जा सकती है।